संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -220 सोमवार ,12 जून 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

लॉरेंस बिश्नोई को लेकर दिल्ली पुलिस ने खड़े किए हाथ

दिल्ली पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई को शहर के किसी जेल में रखने से किया इंकार

नई दिल्ली,11 जून 2023 (ए)। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को लेकर दिल्ली पुलिस ने कोर्ट में हाथ खड़े कर दिए। दिल्ली पुलिस ने अर्जी लगाकर कहा है कि दिल्ली की कोई जेल इस गैंगस्टर के लिए सुरक्षित नहीं है। तिहाड़ जेल के अधिकारी चाहते हैं कि लॉरेंस बिश्नोई को पंजाब या राजस्थान की जेल में रखा जाए। तिहाड़ जेल प्रशासन ने इसके लिए पटियाला कोर्ट में याचिका भी दायर की है क्योंकि उसके ज्यादातर मामले उन्हीं राज्यों में दर्ज हैं।
विरोधी गिरोहों के बीच संघर्ष तिहाड़ जेल में एक बड़ी समस्या बन गया और हाल ही में इस जेल के अंदर बिश्नोई के एक सहयोगी की हत्या कर दी गई। बिश्नोई पर पहरा देने के लिए अतिरिक्त बलों की लागत अधिक होती है। वहीं दिल्ली की कोर्ट ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की पुलिस कस्टडी 14 जून तक बढ़ा दी है।
ऐसे में तिहाड़ जेल के अधिकारियों का तर्क है कि लॉरेंस बिश्नोई को बठिंडा जेल ले जाना चाहिए क्योंकि उसके खिलाफ ज्यादातर मामले पंजाब और राजस्थान में दर्ज हैं। पिछले दिनों दिल्ली पुलिस उसे उन राज्यों में दर्ज मुकदमों के सिलसिले में उन राज्यों में ले गई थी। अलग-अलग राज्यों की पुलिस द्वारा उसे ट्रांजिट रिमांड पर लेने का सिलसिला जारी है, लेकिन लौटने के बाद उसे तिहाड़ जेल में रखा जा रहा है।
तिहाड़ जेल प्रशासन ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को बठिंडा जेल में डालने की गुहार लगाते हुए कोर्ट में अर्जी दाखिल की है। जेल प्रशासन के मुताबिक हद्ध द्वारा गुजरात ले जाने से पहले बिश्नोई बठिंडा जेल में बंद था। यहां से उन्हें 17 अप्रैल 2023 को एनआईए कोर्ट में पेश करने के लिए दिल्ली लाया गया। उस दिन देर होने के कारण उसे तिहाड़ जेल भेजने का आदेश दिया गया।
इसके बाद फिर 18 अप्रैल को लॉरेंस बिश्नोई को 7 दिन की एनआईए रिमांड पर भेज दिया गया। उसके बाद एटीएस गुजरात उसे पूछताछ के लिए गुजरात ले गई। फिर 25 मई को उन्हें दिल्ली लाया गया, जिसके बाद उन्हें मंडोली जेल में रखा गया है. लॉरेंस बिश्नोई को मंडोली की जेल नंबर 15 में रखा गया है। यह एक हाई-सिक्योरिटी सेल है। इसकी सुरक्षा के लिए जेल स्टाफ के अलावा आईटीबीपी और अन्य पुलिस बल को तैनात किया गया है। तिहाड़ जेल प्रशासन ने अदालत से इस मामले में समाधान निकालने का अनुरोध किया है, क्योंकि बिश्नोई को रखने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया गया है. जिस पर खर्चा भी ज्यादा होता है। हालांकि सूत्रों का कहना है कि तिहाड़ जेल प्रशासन उन्हें पंजाब या राजस्थान की किसी जेल में शिफ्ट करना चाहता है।

चारधाम यात्रा को लेकर प्रशासन ने जारी किया बुलेटिन

उत्तराखंड ,11 जून 2023 (ए)। चारधाम यात्रा को लेकर चमोली जिला प्रशासन ने बुलेटिन जारी किया है. जिसमें यात्रियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है. इसके साथ ही बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कहा है कि पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश और बर्फबारी से केदारनाथ और बद्रीनाथ में प्रतिकूल स्थिति बनी हुई है.तीर्थयात्रियों के सुखद दर्शन के लिए सभी कदम उठाए गए हैं. लेकिन फिर भी तीर्थयात्रियों से सावधानी बरतने का अनुरोध है।

मोदी जी ने संविधान का परखच्चा उड़ा दिया

» महारैली में पीएम मोदी पर जमकर बरसे : सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली,11 जून 2023 (ए)। आम आदमी पार्टी ने आज (11 जून) को दिल्ली के रामलीला मैदान में केंद्र सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश के खिलाफ महारैली की है। इसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के सीएम भगवंत मान के साथ केजरीवाल सरकार के मंत्री, विधायक मौजूद रहे। इस दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री ने रामलीला मैदान में भारी संख्या में आए दिल्ली के लोगों को संबोधित किया। सीएम केजरीवाल अध्यादेश को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने पीएम मोदी पर जमकर निशाना साधा।
मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने संबोधन की शुरूआत में जनता से कार्यक्रम की वीडियो बनाने और फेसबुक पर लाइव करने के लिए कहा साथ ही राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल का धन्यवाद किया। सीएम केजरीवाल ने अपनी जड़ को याद किया, जी हां वही समय, जब अन्ना हजारे के लोकपाल आंदोलन से उठकर केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। उन्होंने कहा कई साल के बाद आज हम लोग रामलीला मैदान में इकट्ठा हुए हैं। आज से 12 पहले भ्रष्टाचार के खिलाफ इसी रामलीला मैदान में इकट्ठा हुए थे। सीएम केजरीवाल ने हाथ जोड़कर मंच को नमन किया। उन्होंने कहा इस मंच को मैं नमन करता हूं। ये बहुत पवित्र मंच है आज से 12 साल पहले भ्रष्टाचार के खिलाफ इकट्ठे हुए थे। आज इसी मंच से एक अहंकारी तानाशाह को इस देश से हटाने के लिए इकट्ठे हुए हैं।
सीएम केजरीवाल ने दिल्ली सरकार की तरफ से कोर्ट में अध्यादेश की लड़ाई लड़ रहे वकिल का भी धन्यवाद किया। उन्होंने कहा सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के लोगों के हक में फैसला दिया। 8 साल दिल्ली के लोगों ने लड़ाई लड़ी। सुप्रीम कोर्ट में हमारे वकिल अभिषेक सिंघवी ने दिल्ली के लोगों की तरफ से लड़ाई लड़ी। उन्होंने अभिषेक सिंघवी का भी शुक्रिया अदा किया।
आप संयोजक केजरीवाल ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा आज से एक महीने पहले 11 मई को देश की सर्वोच्च

अदालत की संवैधानिक पीठ ने दिल्ली के लोगों के हक में आदेश पारित किया और 8 दिन के बाद 19 मई को देश के प्रधानमंत्री ने सुप्रीम के आदेश को खारिज कर दिया। देश के प्रधानमंत्री कहते हैं मैं सुप्रीम कोर्ट को नहीं मानता। 75 साल के भारत के इतिहास में पहली बार एक प्रधानमंत्री आया है जो कहता है मैं सुप्रीम कोर्ट को नहीं मानता, पूरे देश के लोग स्तबध हैं। उन्होंने कहा देश के अंदर जनतंत्र खत्म हो रहा है, इसी को तानाशाही कहते हैं।
उन्होंने कहा सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में बोला भारत में जनतंत्र है। जनता अपनी सरकार चुनती है, दिल्ली में भी लोग सरकार चुते हैं, सुप्रीम कोर्ट ने कहा जो भी सरकार दिल्ली के लोग चुनते हैं, उस सरकार को काम करने का अधिकार होना चाहिए। मोदी जी का अध्यादेश कहता है, अब दिल्ली के अंदर जनतंत्र नहीं होगा, अब दिल्ली के अंदर तानाशाही चलेगी, अब दिल्ली के अंदर एलजी सुप्रीम होगा। अब दिल्ली के अंदर जनता किसी की भी सरकार बनाए प्रधानमंत्री जी कहते हैं सरकार मैं ही चलाऊंगा।
सीएम केजरीवाल ने केंद्र सरकार को घेरते हुए सरकार पर संविधान को खत्म करने की बात कही। सीएम ने कहा 26 जनवरी 1950 को हमारे देश का संविधान लागू हुआ, बाबा साहेब अम्बेडकर ने संविधान बनाया, संविधान में लिखा, इस देश के अंदर जनतंत्र होगा, जनता सुप्रीम होगी। आज प्रधानमंत्री जी ने संविधान के परखच्चे उड़ा दिए। प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि अब दिल्ली की जनता की वोट की कोई कीमत नहीं होगी। सीएम ने भाजपा को भी आढ़े हाथों लिया। बीजेपी वाले मुझे रोज गालियां देते हैं, मुझे अपने अपमान की कोई चिंता नहीं, मैं इन्हें गाली नहीं देता, मुझे गाली गलौज करनी नहीं आती। मैं 24 घंटे अपने काम में व्यस्त रहता हूं। इस बार इन्होंने आप लोगों का अपमान किया है। ये मैं बर्दाश्त नहीं कर सकता।
सीएम केजरीवाल ने कहा कि देश के 140 करोड़ आपके साथ हैं। उन्होंने कहा मैं पूरे देश के लोगों को बोलना चाहता हूं ये मत सोचना कि ये केवल दिल्ली वालों के साथ हुआ है। मुझे अंदर से पता चला है कि ये मोदी जी का पहला वार, जिस अध्यादेश के जरिए दिल्ली में तानाशाही लागू की जा रही है, कल यही अध्यादेश राजस्थान, पंजाब, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र के लिए लाया जाएगा। इसे सबको मिलकर अभी रोकना पड़ेगा।

वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने लोकतंत्र को बचाने के लिए विपक्षी एकता का आह्वान किया

नई दिल्ली,11 जून 2023 (ए)। वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने रविवार को कहा कि देश में लोकतंत्र और भाईचारा मोदी सरकार के चलते खतरे में है। सरकार जो जो चाहे वो कर रही है। आम आदमी पार्टी द्वारा रामलीला मैदान में आयोजित महारैली में उन्होंने कहा कि वह पहले यूपीए सरकार का हिस्सा थे, जब आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल उसी रामलीला मैदान से उनकी आलोचना करते थे। लेकिन रामलीला मैदान की इस रैली में भाग ले रहे हैं ताकि जनता को बचाया जा सके। एक स्वतंत्र सांसद के रूप में प्रतिनिधित्व कर रहा हूं, किसी राजनीतिक दल का प्रतिनिधि नहीं हूं।

उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में उनकी अलग-अलग जगहों पर जाने और मोदी सरकार को बेनकाब करने की योजना है। सिब्बल ने पीएम मोदी के खिलाफ सभी विपक्षी दलों के एक साथ आने की जरूरत पर जोर दिया, जो एक डबल इंजन सरकार चलाने का दावा करते हैं। इसका मतलब है कि उनका मकसद साफ है- गैर-बीजेपी सरकारों को खत्म करना।
उन्होंने कहा, वे डबल इंजन वाली सरकार नहीं हो सकते। वे केवल डबल बैरल सरकार हो सकते हैं। उन्होंने मोदी पर अन्य पार्टियों के नेतृत्व वाली राज्य सरकारों को पटरी से उतारने का आरोप लगाया और दावा किया कि सभी एजेंसियां मोदी सरकार के नियंत्रण में हैं और उनके इशारे पर काम कर रही हैं। रैली का आयोजन आप ने केंद्र सरकार के उस अध्यादेश के खिलाफ किया था, जिसे सेवाओं का नियंत्रण दिल्ली सरकार को सौंपने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश को रद्द करने के लिए लाया गया था।

राजनीति में भ्रष्टाचार की कोई जगह नहीं

जयपुर,11 जून 2023 (ए)। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने अपने स्वर्गीय पिता राजेश पायलट को दौसा में श्रद्धांजलि दी। पायलट ने छात्रावास पहुंचकर पिता राजेश पायलट की मूर्ति का अनावरण किया। इस मौके पर उन्होंने जनसभा को संबोधित किया। पायलट ने कहा राजनीति में भ्रष्टाचार की कोई जगह नहीं है। हम भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति चाहते हैं। हम स्वच्छ राजनीति चाहते हैं। मेरी राजनीतिक सोच स्पष्ट है। मैं अपने वादे से पीछे नहीं हटूंगा। मैंने हमेशा युवाओं के हित की बात की है।
सचिन पायलट ने सीएम अशोक गहलोत पर जुबानी तौर पर निशाना साधते हुए कहा, हर गलती सजा मांगती है। पायलट बोले पिताजी राजेश पायलट जी ने अपने जीवन में फौज की नौकरी की और लड़ाकू विमान उड़ाए। पाकिस्तान के दांत खट्टे किए और राजनीति में भी अपनी

बात को हमेशा मुस्तैदी से रखा। उसी तरह की राजनीति की आज देश को जरूरत है, जिसमें बेबाकी से बोलना, सच्चाई और ईमानदारी का समर्थन करना, विपरीत परिस्थितियों में भी समझौता न करना शामिल है।दौसा जाने से पहले सचिन पायलट ने कहा, मेरे पूज्य पिताजी राजेश पायलट जी की पुण्यतिथि पर उन्हें हृदय से नमन करता हूं। अपनी कर्मभूमि से उनका जुड़ाव, जनता से अपनेपन का रिश्ता और जनकल्याण के प्रति उनकी समर्पित कार्यशैली मेरे लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने जनहित को सर्वोपरि मानकर कभी भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। उनके विचारों और आदर्शों का मैं सदैव अनुसरण करता रहूंगा।
सचिन पायलट सभा में भावुक भी हो गए। उन्होंने कहा कि 23 साल पहले आज ही के दिन उनके पिता की सड़क दुर्घटना में मौत हुई थी। वह दृश्य आज भी मुझे याद है। सचिन पायलट ने कहा कि मैंने अपने पिता से राजनीति सीखी है।

मस्जिद और मदरसों को लेकर साध्वी प्राची ने दिया बड़ा बयान

बरेली ,11 जून 2023 (ए)। विश्व हिंदू परिषद की नेता साध्वी प्राची बरेली पहुंचीं. इस दौरान मस्जिद और मदरसों को लेकर उन्होंने बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि मस्जिद और मदरसों को बंद करने से हिंदुस्तान में अमन चैन की शांति हो जाएगी. उत्तराखंड में लव जिहाद के मामले बढ़ने पर चिंता जताते हुए धामी सरकार से सख्त कार्रवाई करने की अपील की. साथ ही अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए कहा कि भैया कुर्सी पाने का सपना छोड़ दें.विश्व हिंदू परिषद की नेता साध्वी प्राची बरेली में मीडिया से बात करते हुए कहा कि हिंदुस्तान में बढ़ रहा लव जिहाद चिंता का विषय है. उन्होंने कहा कि हिंदुओं को केवल पैसा कमाने की चिंता है. जबकि, उनको चिंता हिंदुस्तान पर शासन करने की है. उनका जो एजेंडा है, वह हजारों सालों के लिए है. उन्होंने कहा कि पंचर की दुकान नेशनल हाईवे पर ही क्यों होती है? क्या किसी गली मोहल्ले में पंचर की दुकान दिखाई देती है? इसके पीछे भी उनका एक बहुत बड़ा षड्यंत्र है.

फौजी की पत्नी को अर्धनग्न करके पीटा

» जवान ने डीजीपी से लगाई मदद की गुहार

तमिलनाडु ,11 जून 2023 (ए)। तमिलनाडु के रहने वाले सेना के एक जवान ने कुछ लोगों पर आरोप लगाया है कि उनकी पत्नी को अर्धनग्न करके बेरहमी से मारा पीटा गया है। आरोप लगाने वाले जवान प्रभाकरन कश्मीर में तैनात हैं। सेना के एक रिटायर्ड अधिकारी कर्नल एन त्यागराजन ने ट्वीटर पर वीडियो पोस्ट किया है जिसमें सेना में हवलदार प्रभाकरन पुलिस से अपील करते नजर आ रहे हैं। हालांकि, स्थानीय पुलिस ने सेना के जवान की पत्नी की पिटाई से इनकार किया है। पुलिस ने बताया कि दुकान पर लीज पर लिए जाने के लिए मारपीट की घटना हुई है लेकिन इसे काफी बढ़ा-चढ़ा कर

बताया जा रहा है। ,द्यह्यश अफ्रीका में 9 महीने की हिरासत के बाद भारतीय दल स्वदेश लौटा तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई जिले के पदवेदु गांव के प्रभाकरन रहने वाले हैं। वह सेना में हवलदार पद पर वर्तमान में कश्मीर में तैनात हैं। सेना के एक रिटायर्ड अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल एन.त्यागराजन ने अपने ट्वीटर हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में हवलदार प्रभाकरन नजर आ रहे हैं। प्रभाकरन वीडियो के कहते हुए सुने जा सकते हैं कि %मेरी पत्नी एक जगह लीज पर दुकान चलाती है। उसे 120 लोगों ने पीटा और दुकान का सामान बाहर फेंक दिया। मैंने एसपी को याचिका भेजी है और उन्होंने कार्रवाई का आश्वासन दिया है। डीजीपी साहब कृपया मदद करें। उन्होंने मेरे परिवार पर चाकुओं से हमला किया और धमकी दी। मेरी पत्नी को अर्धनग्न कर दिया गया और बेरहमी से पीटा गया।

श्री बालाजी मंदिर में लगे प्रतिबंधित बोर्ड

» भक्तों से मर्यादित वस्त्र पहनकर आने की अपील

मेरठ ,11 जून 2023 (ए)। मिर्यादित वस्त्र पहनकर मंदिर में प्रवेश करने की अपील करते हुए वेस्ट एंड रोड़ स्थित श्री बालाजी और शनि मंदिर के बाहर बोर्ड लगा दिए गए। भारत में सनातन धर्म को मानने वाले लोग रहते हैं। लेकिन वेस्टर्न कल्चर ने माहौल बिगाड़ दिया है। सभी मंदिरों को भी सनातन धर्म का निर्वहन करना होगा। देहरादून के टपकेश्वर मंदिर में

सर्वप्रथम बोर्ड लगा था, जो अब पूरे देश में लगेगा।
बालाजी मंदिर के महंत एवं महामंडलेश्वर की ओर से बोर्ड लगाए गए हैं। इसमें मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि कृपया मर्यादित वस्त्र पहनकर ही मंदिर में प्रवेश करें। अखिल भारतीय श्रीपंच निर्मोही अखाड़ा के महामंडलेश्वर श्री श्री 108 महेंद्र दास महाराज ने बताया कि अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी से उनकी इस संबंध में वार्ता हुई थी।
उन्होंने दक्ष मंदिर हरिद्वार, टपकेश्वर देहरादून व नीलकंठ महादेव मंदिर ऋषिकेश में अखाड़े की ओर से निर्णय के बाद बोर्ड लगा दिए गए थे। रविंद्र पुरी जी के आह्वान पर महेंद्र दास महाराज ने इसकी शुरुआत मेरठ में सबसे पहले की। अभी शहर का पहला मंदिर है, जिस पर मर्यादित वस्त्र पहन कर आने के लिए निवेदन किया गया है।
महामंडलेश्वर का कहना है कि भारत में सनातन धर्म मानने वाले लोग रहते हैं। लेकिन वेस्टर्न कल्चर ने माहौल बिगाड़ दिया है। महिला व पुरुष एवं मर्यादित वस्त्र पहनते प्रवेश करने लगे थे, जो बेहद अशोभनीय है। हम भारतीयों को अपनी मर्यादा में रहकर भक्ति भाव से पूजा-पाठ करनी चाहिए। इसमें पुरुषों को पेंट, कमीज और धोती कुर्ता व महिलाएं भारतीय परिधान में प्रवेश करें।
मंदिर में प्रवेश करने वाले भक्तों से महामंडलेश्वर व उनके अनुयायी मर्यादित वस्त्र पहन कर आने की अपील करेंगे। यदि भूले भटके कोई पहन कर आ जाता है तो उसे समझा कर भेज दिया जाएगा। महामंडलेश्वर का कहना है कि मर्यादित वस्त्र पहन कर आना नई परंपरा नहीं, बल्कि मंदिर के नियमों में भी जिक्र है।

फ्लाइट अहमदाबाद की जगह पहुंची पाकिस्तान

अमृतसर,11 जून 2023 (ए)। आज इंडिगो की एक फ्लाइट अमृतसर से उड़ान भरकर पाकिस्तान के एयर स्पेस में पहुंच गया। खबर मिली है कि इंडिगो की फ्लाइट नंबर 6श्व645 अमृतसर के श्री गुरु रामदास अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के बाद पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में पहुंच गई। ना सिर्फ ये विमान पाकिस्तान पहुंचा बल्कि ये फ्लाइट वहां करीब 31 मिनट तक पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में घूमती रही और फिर सुरक्षित भारती हवाई क्षेत्र में पहुंची।
मिली जानकारी के अनुसार ये सब खराब मौसम के चलते हुआ है। जब इंडिगो की फ्लाइट 6श्व645 भारतीय एयर स्पेस से बाहर चली गई तो अंतरराष्ट्रीय नियमों के चलते पाकिस्तान को इसे अपने हवाई क्षेत्र में जगह देनी पड़ी। नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के अधिकारियों की मानें तो ऐसा होना आम बात है, क्योंकि खराब मौसम की स्थिति में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी अनुमति होती है। सिविल एविएशन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसी तरह मई में पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस की एक फ्लाइट खराब मौसम के कारण भारतीय एयर स्पेस में आ गई थी और करीब 10 मिनट तक रही।

ट्रेन हादसे को लेकर जजों ने आतंकी साजिश की जताई आशंका

नई दिल्ली ,11 जून 2023 (ए)। उड़ीसा के बालासोर में हाल ही में हुई भीषण ट्रेन हादसे ने भारत सहित दुनिया भर को गमगीन कर दिया है। इस भयंकर हादसे को लेकर देश भर के बुद्धिजीवियों की प्रतिक्रियाएं भी आ रही है जिसमें इस घटना को आतंकी साजिश से जोड़ कर देखा जा रहा है।
देश के पूर्व रॉ चीफ, एनआईए के फॉर्मर डायरेक्टर, आईबी के रिटायर्ड अधिकारियों और कई राज्यों के रिटायर्ड डीजीपी सहित देश के 270 पूर्व न्यायधीशों, रिटायर्ड आईएएस-आईपीएस और सैन्य अधिकारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर ओडिशा के बालासोर में हुए ट्रेन हादसे के पीछे बड़ी आतंकी साजिश की आशंका जताते हुए सरकार से देशभर में फैले रेल पटरियों की सुरक्षा के लिए अवैध घुसपैठियों और रेल पटरियों के किनारे बसे अवैध अतिक्रमणकारियों को वहां से हटाए जाने की मांग की है।

बच्चे ने मां के अकाउंट से 36 लाख रुपए उड़ा दिए

भोपाल,11 जून 2023 (ए)। एक दौर वो भी था जब पब्जी मोबाइल गेम ने लोगों के नाक में दम कर दिया था। पबजी गेम के चक्कर में बच्चे घर में मारपीट और हत्या त करने लगे थे। कई ऐसे भी मामले सामने आए थे जब पब्जी को लेकर बच्चों ने घरों में चोरी किए और सुसाइड तक के लिए कदम उठाए। अब पबजी तो भारत में बैन हो गया है लेकिन उसकी जगह पब्जी की कंपनी के ही एक गेम ने ली है। ताजा मामला हैदराबाद का है वहां एक 16 साल ेक बच्चे ने अपनी मां के बैंक अकाउंट से 36 लाख रुपए गेमिंग में खर्च कर डाले हैं। हैदराबाद साइबर पुलिस की एक रिपोर्ट के मुताबिक 16 साल के बच्चे ने फ्री फायर गेम खेलने के लिए 36 लाख रुपए खर्च कर डाले हैं। वह अपने दादा जी के स्मार्टफोन पर गेम खेलता था। उसने अपनी मां के बैंक अकाउंट से सबसे पहले 1500 रुपए खर्च किए थे और उसके बाद दस हजार रुपए खर्च किए। उसके बाद उसने एक बार गेम में हथियार खरीदने के लिए 1.43 लाख

रुपए और फिर दो लाख रुपए खर्च किए। कुछ महीने के बाद इस पूरे मामले का तय खुलाया हुआ जब उनकी मां बैंक में पैसे निकलने गईं। बैंक वालों ने बताया कि उनके अकाउंट से 36 लाख रुपए गेम पर खर्च किए हैं। बैंक से जानकारी मिलने के बाद मां ने साइबर पुलिस में उसकी शिकायत की है। महिला ने पुलिस को बताया कि उनके पति का निधन हो गया है और बैंक में जो पैसे थे, उनकी ही कमाई थी।

समझदार नहीं पागल बना रहे वीडियो गेम

वर्ष 2020 में अमेरिका के सीएम मोटू चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में एक सर्वे में दावा किया गया था कि वीडियो गेम खेलने में बच्चे समझदार बनते हैं। सर्वे में शामिल 71 फीसदी माता-पिता ने माना था कि वीडियो गेम खेलने से बच्चों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। वहीं, 44 फीसदी पेरेंट्स वीडियो गेम पर प्रतिबंध लगाने कीमांग की थी।

संपादकीय

मणिपुर में कोई हल नहीं ?

हिंसा पर काबू नहीं पाया जा सका है। राज्य में ऐसा माहौल बन गया है कि हर व्यक्ति सामने वाले को संदेह की निगाहों से देखने लगा है। ऐसे में समाधान सिर्फ संवाद से ही निकल सकता है। मगर उसके लिए निष्पक्ष माध्यम की जरूरत है। मणिपुर में हिंसा और अविश्वास के माहौल का कोई समाधान निकलता नहीं दिख रहा है। बल्कि अगर मैतयी और कुकी समुदायों के बीच अविश्वास की बात करें, तो हालत बिगड़ती जा रही है। राज्य की हालत से परिचित जानकारों ने कहा है कि सबसे बड़ी समस्या संवाद के सभी माध्यमों का टूट जाना है। ऐसे हालात में अक्सर सरकारें बातचीत का माहौल बनाती हैं। लेकिन जब सरकार को ही एक पक्ष माना जाने लगे, तो फिर समाधान निकलना बहुत टेढ़ी खीर बन जाता है। मणिपुर में ऐसा ही हुआ लगता है। इस बीच बड़े पैमाने पर हिंसा, आगजनी और विस्थापन के बीच प्रदेशवासियों और दूसरे प्रदेशों से आए कामगारों और कारोबारियों की हालत खराब होती जा है। एक ओर जहां उन्हें सुरक्षा की चिंता है, वहीं कामकाज भी ठंडा है। और बाहर से आए कामगारों के लिए फिलहाल राज्य से बाहर जाना भी आसान नहीं है। मई की शुरुआत से मैतेयी और कुकी-नागा समुदाय के बीच जारी हिंसा में सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अब तक 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। सैकड़ों लोग घायल हुए हैं और हजारों मकान और अन्य इमारतों को जला दिया गया है।हिंसा से डरे बहुत से लोगों ने घर से पलायन कर राज्य के राहत शिविरों या पड़ोसी मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम और सुदूर दिल्ली तक शरण ली है।

आओ बच्चों को बालश्रम की बेड़ियों से मुक्त कराने में सहयोग करें

» देश और परिवार के सपनों को उड़ान देने बालश्रम को स्वयंभू होकर रोकना हर नागरिक का कर्तव्य

वैश्विक स्तरपर बच्चों का नाम आते ही संवेदनशीलता, सहिष्णुता, भावों का कोमल होना, दया लाड प्यार इत्यादि अनेक भावनाएं मन में जागृत हो जाती है!! यह और कुछ नहीं मानवी जीवन में बच्चों के प्रति एक खिंचाव, लगाव और प्यार है या हम यूं कहें कि उनके चार कदम आगे सृष्टि में उपस्थित 84 लाख़ योनियों में भी अपने बच्चों के प्रति अपने अपने स्तर पर गहरा लगाव है।

साथियों बात अगर हम भारत की करें तो, भारतवर्ष में प्रारंभ से ही बच्चों को ईश्वर अल्लाह का रूप माना जाता है। ईश्वर के बाल रूप यथा बाल गणेश, बाल गोपाल, बाल कृष्णा, बाल हनुमान आदि इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। भारत की धरती ध्रुव, प्रह्लाद, लव-कुश एवं अभिमन्यु जैसे बाल चरित्रों से पटी हुई है। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू कहते थे कि बच्चे देश का भविष्य है इसलिए ये जरूरी है कि उन्हें प्यार दिया जाए और उनकी देखभाल की जाए, जिससे वे अपने पैरों पर खड़े हो सकें। वे बच्चों को राष्ट्र का निर्माता कहते थे। जबकि छोटे बच्चों से श्रमिकों के रूप में काम करवाया जाता है, बाल श्रमिकों की समस्या बहुत पुरानी है। इसके पीछे गरीबी के साथ ही माँ बाप का लोभ और पारिवारिक परिस्थिति कारण होती है। इस समस्या से निपटने के लिए सामाजिक और शासन के स्तर पर प्रयास आवश्यक हैं।साथियों आधुनिक युग में अपेक्षाकृत अधिक बच्चे खासकर कोविड महामारी और उसके बाद की स्थिति में श्रम करने को मजबूर हो गए हैं जिसे रेखांकित करना जरूरी है आज के आर्टिकल में विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के रूप में बाल श्रम निषेध पर विस्तृत चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम विधि और न्याय मंत्रालय द्वारा 12 जून 2023 को बाल श्रम निषेध दिवस मनाने की करें तो इसके एक भाग के रूप में 17 वें राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया है। बच्चों को बाल श्रम की बेड़ियों से मुक्त कर उनके भविष् य को नया रूप देकर उन्‍ हें सशक्‍ त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है।

साथियों बात अगर हम बाल श्रम में के व्यापकता की करें तो,दुनियां भर में बच्चे नियमित रूप से भुगतान और अवैतनिक कार्यों में लगे हुए हैं जो उनके लिए हानिकारक नहीं हैं। हालाँकि, उन्हें बाल श्रमिकों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है जब वे काम करने के लिए बहुत छोटे होते हैं, या खतरनाक गतिविधियों में शामिल होते हैं जो उनके शारीरिक, मानसिक,सामाजिक या शैक्षिक विकास से समझौता कर सकते हैं। सबसे कम विकसित देशों में, चार में से एक बच्चे (5 से 17 वर्ष की आयु) से थोड़ा अधिक श्रम में लगे हुए हैं जो उनके स्वास्थ्य और विकास के लिए हानिकारक माना जाता है।

साथियों बात अगर हम बाल श्रम की विभिन्न दृष्टिकोण से परिभाषा की करें तो, सयुक्त राष्ट संग के मुताबिक 18साल से कम उम्र के बच्चो से श्रम कराना कानूनी अपराध है 7अंतरराष्ट्रीय श्रम संघ ने बाल श्रम उम्र 15 साल तय की है।भारत सविधान के अनुसार किसी उद्योग ,कारखाने में शारीरिक अवं मानसिक रुप से काम करने की उम्र 5-14 वर्ष की होने पर बालश्रम कहा जाता है 7अमेरिका में उम्र 12 साल रखी गयी है। बालश्रम पर लगाम लगाने के लिए कई संवैधानिक प्रावधान बनाये है। अनुच्छेद 15(3)= बाल श्रम एक ऐसा विषय है, जिस पर संघीय व राज्य सरकारें, दोनों कानून बना सकती हैं। अनुच्छेद 21;6-14 साल के बच्चो को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाएगी (धारा 45)अनुच्छेद 23-बच्चो को खरीद फरोक पर रोक लगात है बच्चो को खरीद फरोक पर रोक लगाता है। अनुच्छेद-24 किसी फैक्ट्री, खान, अन्य संकटमय गतिविधियों यथा-निर्माण कार्य या रेलवे में 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों के नियोजन का प्रतिषेध करता है।

साथियों बात अगर हम श्रम के खिलाफ कानूनों और वर्तमान स्थिति की करें तो, भारत के संविधान, 1950 का अनुच्छेद 24 स्पष्ट करता है कि 14 वर्ष से कम उम्र के किसी भी बच्चे को ऐसे कार्य या कारखाने इत्यादि में न रखा जाये जो खतरनाक हो। कारखाना अधिनियम, बाल अधिनियम, बाल श्रम निरोधक अधिनियम आदि भी बच्चों के अधिकार को सुरक्षा देते हैं किन्तु इसके विपरीत आज की स्थिति बिलकुल भिन्न है। पिछले कुछ वर्षों से भारत सरकार एवं राज्य सरकारों की पहल इस दिशा में सराहनीय है। उनके द्वारा बच्चों के उत्थान के लिए अनेक योजनाओं को प्रारंभ किया गया हैं, जिससे बच्चों के जीवन व शिक्षा पर सकारात्मक प्रभाव दिखे। शिक्षा का अधिकार भी इस दिशा में एक सराहनीय कार्य है। इसके बावजूद बाल-श्रम की समस्या अभी भी एक विकट समस्या के रूप में विराजमान है। इसमें कोई शक नहीं कि बाल-श्रम की समस्या किसी भी देश व समाज के लिए घातक हैबाल-श्रम पर पूर्णतया रोक लगनी चाहिए। बाल-श्रम की समस्या जड़ से समाप्त होना अति आवश्यक है।

साथियों केवल घर का काम नहीं इन बालश्रमिकों को पटाखे बनाना, कालीन बुनना, वेल्डिंग करना, ताले बनाना, पीतल उद्योग में काम करना, कांच उद्योग, हीरा उद्योग, माचिस, बीड़ी बनाना, खेतों में काम करना (बैल की तरह), कोयले की खानों में, पत्थर खदानों में, सीमेंट उद्योग, दवा उद्योग में तथा होटलों व ढाबों में झूठे बर्तन धोना आदि सभी काम मालिक की मर्ज़ी के अनुसार करने होते हैं। इन समस्त कार्यों के अतिरिक्त कूड़ा बीनना, पोलीथिन की गंदी थैलियाँ चुनना, आदि अनेक कार्य हैं जहाँ ये बच्चे अपने बचपन को नहीं जीते, नरक भुगतते हैं परिवार का पेट पालते हैं। इनके बचपन के लिए न माँ की लोरियां हैं न पिता का दुलार, न खिलौनेहैं,न स्कूल न बालदिवस इनकी दुनिया सीमित है तो बस काम काम और काम, धीरे धीरे बीड़ी के अधजले टुकड़े उठाकर धुआं उडाना, यौन शोषण को खेल मानना इनकी नियति बन जाती है।

साथियों बात अगर हम हर साल बाल श्रम निषेध दिवस मनाने की करें तो, दुनियां भर में हर साल 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है. इसको मनाए जाने का उद्देश्य 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से श्रम ना कराकर उन्हें शिक्षा दिलाने और आगे बढ़ने के लिए जागरूक करना है। भारत में बालश्रम की समस्या दशकों से प्रचलित है। भारत सरकार ने बालश्रम की समस्या को समाप्त करने क़दम उठाए हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 23 खतरनाक उद्योगों में बच्चों के रोजगार पर प्रतिबंध लगाता है। भारत की केंद्र सरकार ने 1986 में बालश्रम निषेध और नियमन अधिनियम पारित कर दिया। इस अधिनियम के अनुसार बालश्रम तकनीकी सलाहकार समिति नियुक्त की गई। इस समिति की सिफारिश के अनुसार, खतरनाक उद्योगों में बच्चों की नियुक्ति निषिद्ध है। 1987 में, राष्ट्रीय बालश्रम नीति बनाई गई थी।

साथियों बात अगर हम बाल श्रम निषेध दिवस के इतिहास की करें तो, विश्व बालश्रम निषेध दिवस इतिहास विश्व बालश्रम निषेध दिवस की शुरुआत 2002 में अंतरराष्ट्रीय श्रम संघ ने की इसका मुख्यालय जेनेवा में है , यह संयुक्त राष्ट संघ की एक शाखा है7 यह सिद्धांत बनाती है और उसे सख्ती से पालन किया जा रहा है उसका ब्योरा रखती है ,ये कई अंतराष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुकी है आमसहमति से 2002 से कानून पारित किया गया 7जिसमे 14 से कम उम्र के बच्चों से श्रम कराने को अपराध माना गया। इसी साल पहली बार बाल श्रम निषेध दिवस 12 जून को मनाया गया।

साथियों बात अगर हम बाल श्रम रोकने सरकारी योजनाओं की करें तो, बाल फिल्म सोसाइटी ,1955 समेकित बाल संरक्षण योजना, 2009, बाल न्याय कार्यक्रम फूटपाथ पर रहने वालो के लिए कार्यक्रम, खाद्य सुरक्षा अधिनियम। राष्ट बाल श्रम योजना-बाल मजदूरी से मुक्त कराए गए बच्चो के लिए सरक़ार ने बाल श्रम योजना शुरू की है इन्हे विशेष स्कूलों में दाखिला दिलवाया जायेगा साथियों भारतीय गैर सरकारी संगठन जो बाल श्रम के खिलाफ काम कर रहे हैं, बचपन बचाओ आंदोलन चिल्ड्रेन फ्राय फॉर यू,कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेश राइड इंडिया तलाश एसोसिएशन चाइल्डलाइन इंडिया फाऊंडेशन मेक ए डिफरेंस।

साथियों बात अगर हम वर्ष 2023 की थीम की करें तो, सभी के लिए सामाजिक न्याय। बाल श्रम समाप्त करो है।विश्व बाल श्रम निषेध दिवस को हम सभी के लिए एक अवसर के रूप में देखते हैं, जो बाल श्रम को समाप्त करने के लिए समर्पित हैं, यह दिखाने के लिए कि यदि शक्ति और दृढ़ संकल्प को जोड़ दिया जाए तो क्या किया जा सकता है, और प्रयासों को गति देने के लिए बड़ी अत्यावश्यकता की स्थिति सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाने के लिए वैश्विक स्तर पर नए प्रयास, विशेष रूप से सामाजिक न्याय के लिए प्रस्तावित वैश्विक गठबंधन के माध्यम से, जो बाल श्रम को समाप्त करने पर जोर देगा।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि विश्व बालश्रम निषेध दिवस 12 जून 2023 पर विशेष - 17 वां वार्षिक वेबीनार आयोजित।आओ बच्चों को बालश्रम की बेड़ियों से मुक्त कराने में सहयोग करें।देश और परिवार के सपनों को उड़ान देने बालश्रम को स्वयंभू होकर रोकना हर नागरिक का कर्तव्य है

किशन सनमुख़दास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

माहौल

अपने होठों पे, तबस्सुम को,
सजाए रखिए।
शब गुज़रने तलक़,
अश्कों को छुपाये रखिये।
दौर ए ग़म में नहीं,
चलता कोई किसी के लिए,
हौसला टूटे न, माहौल बनाए रखिये।
धूप ख़िल जाएगी,
राहों में तबस्सुम से तेरे,
दिल के अंगारों को,
अश्कों से बुझाए रखिए,
है सफ़र मुश्किल,
राहें भी हैं तारिक़ तनहां,
साथ रहवर की,
रोशनी को,जलाए रखिए।
दो क़दम और मंज़िलें हैं,
मुख़्तसर तेरे,
उनके दीदार की,
उम्मीद जगाए रख़िये।

पुष्पा स्वाती, मुम्बई

सिहर उठती हूँ देखकर

जब कोई पागल प्रेमी
गोद देता है शरीर अपनी
प्रेमिका का करके चाकू
से वार कई ।
या फिर करके टुकड़े फेंक
देता है जंगलों में ।
सिहर उठती हूँ देखकर
कैसा खूनी प्यार है ये
जो इतना निर्दयी, बेरहम, कठोर
की जान का रहा न कोई मोल।
कभी एसिड अटैक
कभी निर्मम हत्या
कभी वहशीपन
कभी बर्बरता
कैसा फरेब है ये
प्यार के नाम पर
जो न झिझके,न हिचके,
न डरे,न सोचे,न घबराए ज़रा भी
सिहर उठती हूँ देखकर
अक्सर सुर्खियां में देख सुन
ये खबरें इतनी अमानवीयता
वो भी प्यार, रिश्ते , संबंधों,
चाहत के नाम पर ।
क्या ये प्यार है या सिर्फ
छलावा, धोखा
जो प्रेम के नाम पर
करता सिर्फ वार
सिहर उठती हूँ देखकर
कत्लेआम यूँ बनाम प्यार।।

मीनाक्षी सुकुमारन
नोएडा
उत्तरप्रदेश

बदला हुआ भारतःमोदी सरकार के यादगार नौ वर्ष

यह हमारे लिए इस बात को महसूस करने का समय है कि एक देश के तौर पर हम इतने महान हैं कि खुद को छोटे सपनों तक सीमित नहीं कर सकते। हम वैसे नहीं हैं, जैसा कि कुछ लोग हमें मानते हैं। एक अपरिहार्य पतन के लिए अभिशप्त। मैं उस भाग्य में कतई विश्वास नहीं करता जिसका फल हम पर पड़ेगा ही, चाहे हम जो कुछ भी करें। मेरा भरोसा एक ऐसे भाग्य में है जिसका फल हम पर पड़ेगा, अगर हम कुछ भी नही करेंगे। इसलिए, अपने नियंत्रण में उपलब्ध सभी रचनात्मक ऊर्जा को बटोरते हुए, आइए हम सब राष्ट्रीय नवीनीकरण के युग की शुरुआत करें। आइए हम अपने दृढ़ संकल्प, अपने साहस और अपनी ताकत को नए सिरे से सहेजें। और आइए हम अपने विश्वास और अपनी आशा को नए सिरे से मजबूत करें। हमें बहादुरी भरे सपने देखने का पूरा अधिकार है।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के उपरोक्त उद्धरण से यह बात प्रतिध्वनित होती है कि कैसे यह भारत के लिए बड़े सपने देखने का समय है।

नौ वर्ष पहले जब श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री का पद संभाला था, तब भारत की धीमी आर्थिक विकास, उच्च बेरोजगारी और उच्च राजकोषीय घाटे की स्थिति 1980 के दशक के संयुक्त राज्य अमेरिका जैसी ही थी। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में, सरकार ने ऐसे कई परिवर्तनकारी पहलों को लागू किया, जिन्होंने हमारे महान राष्ट्र को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाते हुए भारतीय समाज के सभी वर्गों के जीवन को प्रभावित किया है।

स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में बदलाव स्वास्थ्य संबंधी देखभाल, फार्मास्यूटिकल एवं बायोफार्मास्यूटिकल उद्योग से जुड़े एक व्यक्ति और खुद एक उद्यमी के तौर पर, मेरा यह मानना है कि इस प्रशासन की कई विशेष खूबियों में से एक बेहतर और अधिक सुदृढ़ राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के निर्माण के प्रति इसकी वचनबद्धता है।

जब 2020 में पूरी दुनिया कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए जूझ रही थी, तो भारत निर्णायक नेतृत्व, दूरदर्शी योजना और आरोग्य सेतु एवं कोविन ऐप जैसे नवाचारों के जरिए इस घातक वायरस से प्रभावी तरीके से निपटने में सक्षम था। इसके परिणामस्वरूप, भारत न केवल अपनी 90 प्रतिशत से अधिक आबादी को 200 मिलियन से अधिक टीके लगाने में सफल रहा, बल्कि इसने 'वैक्सीन मैत्री' पहल के हिस्से के रूप में टीके भेजकर कई अन्य देशों की भी मदद की।

पिछले नौ वर्षों में, मोदी सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाया है जिसका उद्देश्य सभी को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना है। 'ई-संजीवनी' नाम की सरकार की रचनात्मक टेलीमेडिसिन सेवा लोगों को अपना घर छोड़े बिना प्रमुख शहरों में मौजूद विशेषज्ञ डॉक्टरों तक पहुंचने में मदद करती है। यह बुजुर्गों और अपर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं वाले दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए एक बड़ी मदद है। यह टेलीमेडिसिन सेवा दिहाड़ी मजदूरों के लिए अपनी मजदूरी खोने के डर के बिना चिकित्सीय परामर्श लेना संभव बनाती है। अब तक 120 मिलियन से अधिक रोगियों ने ई-संजीवनी के जरिए दूरदराज के इलाकों में रहते हुए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया है।

जन औषधि परियोजना के तहत, सरकार समर्पित दुकानों के जरिए आम लोगों को उच्च गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाएं सस्ती कीमत पर उपलब्ध करा रही है। इन जेनेरिक दवाओं की गुणवत्ता और प्रभावकारिता महंगी ब्रांडेड दवाओं के बराबर है। भारत ने वित्तीय वर्ष 2023 के दौरान 160 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य की जेनेरिक दवाएं बेची है।

आयुष्मान भारत योजना 1,54,000 से अधिक स्वास्थ्य एवं कल्याण केन्द्रों के अपने नेटवर्क के जरिए एक स्वस्थ एवं उत्पादक नया भारत बनाने साथ-साथ समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को बीमा कवर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस मेगा स्वास्थ्य बीमा योजना से भारत के लगभग 220 मिलियन नागरिक लाभान्वित हुए हैं।

उद्यमिता को बढ़ावा

एक महिला व्यवसायी के तौर पर एक और बड़ा बदलाव जो मैंने देखा है, वह पिछले नौ वर्षों में देश में उद्यमिता संबंधी परिदृश्य का विकास है।

आज बहुत सारे ऊर्जावान युवा हमारी रोजमर्रा की समस्याओं के नए-नए समाधान ढूंढ रहे हैं। यह सब केवल 'मेक इन इंडिया' और 'स्टार्ट-अप इंडिया' जैसी उच्च-लक्षित सरकारी पहलों के कारण ही संभव हो पाया है। भारत के एक व्यवसाय-समर्थक राष्ट्र बनने में राजनीतिक नेतृत्व ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ताजा सरकारी आंकड़ों के अनुसार, स्टार्ट-अप की संख्या 2014 से पहले लगभग 350 थी जो 2023 में बढ़कर 90,000 से अधिक हो गई है, जिसमें 100 से अधिक यूनिकॉर्न शामिल हैं।

प्रधानमंत्री को खुद देश के युवाओं, उनके विचारों और उनकी उपलब्धियों की सराहना करते हुए देखना बेहद सुखद है, जो ऐसे कई अन्य लोगों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत रहा है जो समाज में बदलाव लाना चाहते हैं लेकिन इसमें निहित जोखिमों से डरते हैं। आज, हमारे देश के युवा राष्ट्र निर्माण के कार्य में भागीदारी करने से नहीं डरते हैं और वे भारत को नवाचार के एक केन्द्र के रूप में बदल रहे हैं।

वास्तव में, देश के कानूनों और विनियमों में व्यवसायों के अनुकूल किए गए बदलावों से सड़क, हवाई संपर्क आदि जैसे बुनियादी ढांचे में सुधार हुआ है और इससे भारतीय उद्योग जगत को काफी मदद मिली है।

आज, कई बहुराष्ट्रीय निगम भारत को मैन्यूफैक्चरिंग के एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में देख रहे हैं। पिछले नौ वर्षों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और निर्यात दोनों में जबरदस्त वृद्धि हुई है। एफडीआई हासिल करने वाले दुनिया के शीर्ष 10 देशों में भारत को स्थान दिया गया है और देश ने वित्तीय वर्ष 2022 के दौरान 84.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर का अबतक का सबसे अधिक एफडीआई प्रवाह प्राप्त किया है।

सामाजिक सुधारों को बढ़ावा

मेरे हिसाब से एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि महिला सशक्तिकरण में निहित है। 'बेटी बचाओ बेटी पढाओ' कार्यक्रम ने बेटियों के प्रति भारतीय समाज की धारणा को पूरी तरह से बदल दिया है।

आज बेटियों के जन्म पर उत्सव मनाया जा रहा है और खेल, विज्ञान, मनोरंजन, रक्षा या विमानन, हर क्षेत्र में महिलाएं भारत का नाम रोशन कर रही हैं।

मेरा मानना है कि यह न केवल इस सरकार के लिए, बल्कि प्रत्येक भारतीय महिला के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

लघु एवं सूक्ष्म उद्यमों के लिए दिए जाने वाले मुद्रा ऋण परियोजना की मदद से 408 मिलियन से अधिक महिलाएं आत्मनिर्भर बन गई हैं। उज्ज्वला योजना ने समाज के सबसे वंचित वर्गों की 96 मिलियन महिलाओं को रियायती दरों पर एलपीजी (तरलीकृत पेट्रोलियम गैस) प्राप्त करने में मदद की है। यह योजना खाना पकाने के अस्वच्छ ईंधन के कारण पैदा होने वाले घरेलू वायु प्रदूषण से होने वाली श्वसन संबंधी गंभीर बीमारी से लाखों लोगों को बचा रही है।

निष्कर्ष

इन नौ वर्षों के दौरान, प्रधानमंत्री श्री मोदी की नीतियों ने विश्व में भारत की स्थिति को बेहतर किया है, पर्याप्त मात्रा में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को आकर्षित किया है, बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है, प्रौद्योगिकी में निवेश को बढ़ावा दिया है और उद्यमियों के लिए बड़े अवसर पैदा किए हैं। आज भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है जो विश्व अर्थव्यवस्था की तुलना में दुगनी तेजी से बढ़ रही है। श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत एक अत्यधिक आत्मविश्वासी एवं आत्मनिर्भर राष्ट्र में बदल गया है जोकि इसकी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और ऐतिहासिक विरासत के अनुरूप है।

लेखिका कार्यकारी अध्यक्ष, बायोकॉन लिमिटेड एवं बायोकॉन बायोलॉजिक्स लिमिटेड हैं

किरण मजूमदार-शॉ,

राज कोई गहरा

धूप में रहे हम
और चले सहरा सहरा
ढूंढा किये सब में आप ही का चेहरा
सारे जहां में घूमे
तो देखीं दोहरी शक्लें
एक अपना दिल ही
रहा मानो इकहरा
आप तो जनाब हैं
आगे ही बढ़ते जाएँ
हमपे वक़्त ऐसा ठहरा,
के बस ठहरा
लबों पे आके
सजती उन मुस्कुराहटों में
मुझको लगे छुपा है
ज्यूं राज़ कोई गहरा
गीत दिल में गूंजते
हज़ार तरह वाले
लबों पे लगे ताले
लफ़्ज़ों पे लाख पहरा

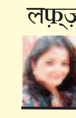

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

मिटा दो ये दूरियां

मिटा दो, ये दूरियां,ये फासले।
आओ न,साहिलो से दूर चले।
न बन्दिशे रहे न दायरे हो।
न चाहतों पे कोई पहरे हो।
फूल हँसे और चराग जले।
आओ न, साहिलो से दूर चले।
हरसू लहरो का ही साज हो।
चाहत की नई परवाज हो।
हम तूफानो से मिल के गले।
आओ न,साहिलो से दूर चले।
गीत लिखे,कोई ख्वाब बुने।
दिल कहे और दिल ही सुने।
यूं जिंदगी जिंदगी से मिले।
आओ न,साहिलो से दूर चले।

ओमप्रकाश बिन्जवे राजसागर
भोपाल,मध्यप्रदेश

भोले कर्म की माला

मन भोले में रसा है इतना,
जितना गंगा में पानी,
क्या कोई है भोले जितना,
पूण्य,प्रताप, महा दानी।
मन भोले में ....
जितना भोले के सुर में तुम,
रचना-बसना सीख रहे हो,
उतना दुनिया के सरवर में,
खुद से जीना सीख रहे हो।
मन भोले में....
सोते-जगते हमने तो बस,
भोले का ही नाम लिया,
जीवन की हर एक मुश्किल
को,
भोले नें आशान किया।
मन भोले में .....
जिस क्षण भोले को हम
भूले,
वह क्षण तो बेकार गया,
भोले कर्म की जपली माला,
और जीवन साकार किया।
मन भोले में ......
आओ मन की मेंहदी से
हम,
भोले का श्रंगार करें,
रच-बस जाएं हम भोले में,
जीवन का उद्धार करें।
मन भोले में ......

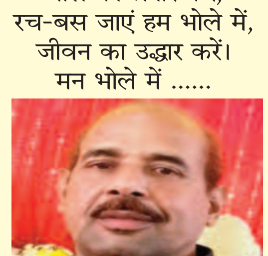

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर, इन्दौर,मध्यप्रदेश

कांग्रेस की गारंटियां हो रही लागू! क्या जवाब है ?

कर्नाटक में सरकार बनते ही पहली कैबिनेट बैठक में कांग्रेस की सरकार ने चुनाव में किए गए पांच वादों को पूरा करने का फैसला किया। दूसरी कैबिनेट में इस पर अमल की तारीखें तय हुई। कांग्रेस ने चुनाव के समय जो पांच गारंटियां दी थीं उनको कानून बनाने का ऐलान कर दिया गया है। कर्नाटक में दी गई गारंटियों की तर्ज पर कांग्रेस ने अभी से हरियाणा और मध्य प्रदेश में मुफ्त की वस्तुएं और सेवाएं देने की घोषणा शुरू कर दी है। राजस्थान में जहां उसकी सरकार है वहां इन गारंटियों पर अमल किया जा रहा है। इसी तरह पिछले साल हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने पुरानी पेंशन योजना लागू करने का वादा किया था, जिसे सरकार बनने के तुरंत बाद लागू कर दिया गया। पुरानी पेंशन योजना राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी लागू कर दी गई है। छत्तीसगढ़ के चुनाव प्रचार में कांग्रेस ने नागरिकों को नकद पैसे देने की न्याय योजना की घोषणा की थी, जिसे राज्य सरकार ने लागू कर दिया है। तभी सवाल है कि कांग्रेस की पांच गारंटी हो या पुरानी पेंशन योजना हो या न्याय योजना हो, इनका क्या जवाब भाजपा के पास है? भाजपा पारंपरिक रूप से हिंदुत्व, राष्ट्रवाद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व के मुद्दे पर लड़ेगी या वह भी कांग्रेस की तरह गारंटियों, वादों की राजनीति में उतरेगी?

ऐसा नहीं है कि भाजपा ने नागरिकों से कुछ वस्तुएं और सेवाएं मुफ्त में देने का वादा नहीं किया लेकिन हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में लोगों ने उस पर यकीन नहीं किया। इसका कारण यह था कि दोनों राज्यों में भाजपा की सरकार थी। यह सामान्य समझदारी की बात है कि सत्तारूढ़ दल कोई वादा नहीं कर सकता है। उसे वादे पर अमल करना होता है। अगर भाजपा वादा करने की बजाय उस पर अमल कर देती तो हो सकता था कि उस पर लोगों को यकीन होता या कांग्रेस के एजेंडे का काउंटर होता। लेकिन भाजपा ने कर्नाटक में घोषणापत्र जारी किया तो कहा कि वह लोगों की पसंद का 10 किलो अनाज हर महीने देगी और हर दिन आधा किलो 'नंदिनी' का दूध देगी। राज्य मे उसकी सरकार थी, अगर वह ये चीजें देना शुरू कर देती तो लोगों को आकर्षित कर सकती थी। जब सरकार में रहते हुए कोई पार्टी कुछ देने की बजाय उसे देने का वादा करे तो उस पर लोगों को यकीन नहीं होता है। ऐसी स्थिति में लोग विपक्ष के वादे पर ज्यादा भरोसा करते हैं। यही हिमाचल प्रदेश में हुआ और कर्नाटक में यही दोहराया गया। तभी इस साल होने वाले चुनावों में राजस्थान और छत्तीसगढ़ की स्थिति अलग है, जहां कांग्रेस की सरकार है और मध्य प्रदेश की स्थिति अलग है, जहां भाजपा की सरकार है।

भाजपा के साथ दूसरी मुश्किल यह है कि कांग्रेस जो गारंटी दे रही है या वादे कर रही है, उसको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मुफ्त की रेवड़ी' का नाम दिया है। इससे भाजपा को दो तरह की मुश्किल हुई है। अगर वह कोई चीज मुफ्त में देने की घोषणा करती है तो हिप्पोक्रेसी जाहिर होती है। यह सवाल उठता है कि जब प्रधानमंत्री इसे राज्यों की अर्थव्यवस्था को खोखला बना देने वाली 'मुफ्त की रेवड़ी' कह रहे हैं तो फिर भाजपा क्यों 'मुफ्त की रेवड़ी' बांट रही है। ध्यान रहे कर्नाटक में प्रधानमंत्री मोदी ने कई सभाओं में कहा कि कांग्रेस ने जितने वादे किए हैं उन्हें पूरा करने में राज्य सरकार का खजाना खाली हो जाएगा, फिर भी वादे पूरे नहीं होंगे। सो, वित्तीय अनुशासन की बात करने वाली पार्टी उसी रास्ते पर कैसे चल सकती है? दूसरी मुश्किल यह है कि अगर भाजपा ऐसी घोषणा नहीं करती है तो उसके नेता जमीन पर जनता को क्या जवाब दें?

कांग्रेस ने पांच गारंटी के तहत सभी घरों को 'गृह ज्योति' योजना के तहत दो सौ यूनिट बिजली मुफ्त देने का वादा किया है। इसके अलावा हर परिवार की महिला मुखिया को 'गृह लक्ष्मी' योजना के तहत दो हजार रुपए मासिक मिलेंगे। गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले परिवारों के हर सदस्य को 'अन्न भाग्य' योजना के तहत 10 किलो अनाज मुफ्त मिलेगा। 'युवा निधि' योजना के तहत डिग्रीधारी बेरोजगारों को तीन हजार रुपए महीना और डिप्लोमाधारी युवाओं को डेढ़ हजार रुपए महीना मिलेगा। पांचवीं गारंटी के तहत सरकारी बसों में 'शक्ति' योजना के तहत महिलाओं को मुफ्त यात्रा का पास मिलेगा। ध्यान रहे कर्नाटक में कांग्रेस के जीतने के और भी कारण थे। राज्य की भाजपा सरकार के खिलाफ एंटी इन्कम्बैंसी, बीएस येदियुरप्पा जैसे बड़े नेता को बदल कर निराकार बसवराज बोम्मई को सीएम बनाने का फैसला, भ्रष्टाचार के आरोप, कांग्रेस का सामाजिक समीकरण और बेहतर प्रबंधन जैसे कई कारण थे। लेकिन 'गृह ज्योति', 'गृह लक्ष्मी', 'अन्न भाग्य', 'युवा निधि' और 'शक्ति' योजना ने गेम चेंजर का काम किया। उसके बाद पहली कैबिनेट में इन पांच योजनाओं को लागू करने की घोषणा देश के दूसरे राज्यों में भी कांग्रेस के ऐसे वादों पर मतदाताओं में भरोसा बढ़ाएगी।

कर्नाटक में कांग्रेस की पांच गारंटियों को लागू करने में करीब 60 हजार करोड़ रुपए का खर्च आएगा। निश्चित रूप से इससे सरकार के खजाने पर बोझ बढ़ेगा। कर्नाटक का सालाना बजट तीन लाख नौ हजार करोड़ रुपए का है, जिसमें 77,750 करोड़ रुपए का कर्ज है। कर्नाटक 19 लाख करोड़ रुपए के सकल घरेलू उत्पादन वाला राज्य है, जहां सरकार राजस्व वसूली के सिस्टम को जरा सा बेहतर करे और सोशल सेक्टर में पहले से चल रही योजनाओं का प्रबंधन करे तो इस खर्च को कम कर सकती है। मिसाल के तौर पर बिजली सेक्टर को पहले से साढ़े नौ हजार करोड़ रुपए की सब्सिडी दी जा रही है। इसी तरह किसानों के लिए 'रैयत शक्ति योजना' चल रही है, स्वास्थ्य के क्षेत्र में 'यशस्विनी योजना' है, दूध की कीमत पर सरकार छह रुपए प्रति लीटर तक पहले से दे रही है। सो, पहले से कई योजनाएं चल रही हैं, जिनके साथ नई योजनाओं को मिला कर गारंटियों को पूरा किया जा सकता है। इसके लिए अरविंद केजरीवाल की तरह यह कहने की जरूरत नहीं है कि भ्रष्टाचार रोक कर उसी पैसे से लोगों को मुफ्त में काफी कुछ दिया जा सकता है। अलग अलग सरकारों में भ्रष्टाचार का स्तर ऊपर-नीचे हो सकता है लेकिन उसे पूरी तरह रोक देने और उस पैसे से लोगों की मदद करने का वादा एक यूटोपियन वादा है। केजरीवाल का मॉडल उच्च आय वर्ग के लोगों से ज्यादा पैसे वसूल कर गरीबी रेखा के नीचे रहने वालों के बीच बांटने का है। कांग्रेस भी यह मॉडल अपना रही है।

बहरहाल, सरकार कैसे वित्तीय अनुशासन बनाए रखेगी, कैसे कर्ज कम रखेगी ताकि ब्याज का भुगतान ज्यादा न करना पड़े, कैसे वित्तीय घाटा काबू में रखेगी यह सब आगे की सिरदर्दी होती है। उससे पहले चुनाव में वादा करने या गारंटी देने में कोई मुश्किल नहीं आती है। दूसरे अरविंद केजरीवाल की राजनीति से कांग्रेस ने यह सीख लिया है कि इस तरह की योजनाओं में ज्यादा खर्च नहीं आता है। अगर बुनियादी ढांचे के विकास को किनारे रखा जाए और समस्याओं का स्थायी समाधान खोजने या अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक सुधार करने की बजाय लोगों की छोटी छोटी समस्याओं को दूर किया जाए तो उनका वोट लिया जा सकता है। हो सकता है कि लंबे समय में यह सोच नुकसानदेह हो लेकिन इसका तात्कालिक चुनावी लाभ मिल सकता है।

तभी भाजपा को इस बारे में गंभीरता से सोचना होगा। कर्नाटक में उसके पारंपरिक मुद्दे नहीं चले। सांप्रदायिक ध्रुवीकरण कराने वाले मुद्दों का खूब प्रचार हुआ। बाद में बजरंग बली के नारे भी लगे इसके बावजूद उसके स्थायी वोट आधार में कोई नया वोट नहीं जुड़ा। हालांकि इसका एकमात्र कारण कांग्रेस की गारंटियां नहीं थीं। और भी कारण थे। लेकिन वो कारण और राज्यों में भी होंगे, खासकर जहां भाजपा की सरकार है। केंद्र में भी भाजपा की सरकार के 10 साल पूरे होने जा रहे हैं और निश्चित रूप से कुछ सत्ता विरोधी माहौल केंद्र के खिलाफ भी होगा। इस तरह की राजनीति की शुरुआत आम आदमी पार्टी ने की है लेकिन कांग्रेस के प्रति ज्यादा भरोसा इसलिए बनेगा क्योंकि दिल्ली और पंजाब को छोड़ कर बाकी राज्यों में कांग्रेस बड़ी ताकत है। कांग्रेस से मुकाबले वाले ज्यादातर राज्यों में आप की ताकत कम है। इसलिए वह लोगों को भरोसा नहीं दिला पाएगी।

अजीत द्विवेदी

दोस्त

यारों का मिलना ही होता है कुछ ऐसा
जैसे खोया बचपन फिर लौट आता है
निकल जाता है वक़्त बातों ही बातों में
यादों का ख़ज़ाना बस भरता जाता है
चाहे जितने बरस बाद भी मिलें दोस्त
ये याराना फिर और भी गहरा जाता है
छिपती नहीं ये दिल की बातें दोस्तों में
इन आँखों को देख,सब समझ आता है
ख़ुदा ने भेजा ,कुछ रिश्ते नवाज़ कर
दोस्ती वो रिश्ता,इंसान ख़ुद बनाता है
जब उलझनें ले बैठे,खुद को कर अकेला
बिन दोस्त,कौन अपना नज़र आता है?

आशीष शर्मा अमृत
जयपुर, राजस्थान

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

खैरबार पुलिया के नीचे संदिग्ध हालत में मिला युवक का शव,शरीर में कई जगह चोट के निशान

» पुलिस ने प्रथम दृष्टया जताया हत्या की आशंका,क्षेत्र में सनसनी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 जून 2023
(घटती-घटना)।

अंबिकापुर नगर से लगे खैरबार पुलिया के नीचे रविवार को संदिग्ध हालत में एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक युवक के शरीर पर कई जगह चोट के निशान पाए गए हैं सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रथम दृष्टया हत्या का संदेह जताया है। मौके पर फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम भी पहुंची थी। युवक वहां कैसे पहुंचा और किन हालातों में उसकी मौत हुई, इसकी जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार रनपुर निवासी पवन रवि नामक एक व्यक्ति का शव शहर से लगे खैरबार पुलिया के नीचे संदिग्ध अवस्था में मिला है। युवक का शव मिलने की खबर तेजी से क्षेत्र में फैल गई। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची थी। परिजन भी मौके पर पहुंचे। परिजनों की चीख पुकार मच गई। संदिग्ध हालत में मिले मृतक युवक के शरीर पर कई जगह चोट के निशान मिले हैं। मौके पर पहुंचे फॉरेंसिक एक्सपर्ट ने घटनास्थल का जायजा लिया। उप युवक पुल के नीचे कैसे पहुंचा और उसकी मौत की वजह क्या है या फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है हालांकि प्रथम दृष्टया पुलिस हत्या का संदेह जता रही है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

नियमितीकरण सहित 3 सूत्रीय मांग को लेकर सहकारी समिति कर्मचारियों ने खाद्य मंत्री को सौंपा ज्ञापन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 जून 2023
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश कर्मचारी संघ ने खाद्य मंत्री अमरजीत भगत से मुलाकत की। कर्मचारियों ने नियमितीकरण सहित तीन सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन खाद्य मंत्री को सौंपा। बता दें कि सहकारी समिति के कर्मचारी 3 सूत्रीय मांग को लेकर पिछले 12 दिनों से हड़ताल पर है।

ज्ञापन में सहकारी समिति के कर्मचारियों ने बताया कि प्रदेश के 2050 प्राथमिक / वृहत्ताकार / आदिमजाति / कृषक सेवा सहकारी समितियों ने लगभग 13000 कर्मचारी विगत 1 जून से अपनी तीन सूत्रीय मांगों को लेकर अनिष्ठिकालीन हड़ताल पर है। समितियों में विगत कई वर्षों से कार्यरत हैं जो कि शासन प्रशासन के समस्त जन कल्याणकारी योजना जैसे समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, खाद बीज व नगद ऋष्ण वितरण तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली, ए.टी.एम. एवं उज्वला गैस योजना गोधन न्याय योजना के तहत वर्मी कम्पोस्ट खाद का वितरण एवं राजीव गाधी किसान न्याय योजना का संचालन निष्ठा पूर्वक करते हैं। इन्हीं समस्त कार्यों के कारण छ शासन को राष्ट्रीयस्तर पर अनेक पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। लेकिन इसके बावजूद भी जिन कर्मचारियों के कारण पुरस्कार प्राप्त हुआ है उनका ध्यान शासन प्रशासन द्वारा नहीं रखा जा रहा है। समिति कर्मचारी अल्पवेतन में शासन के जन कल्याणकारी योजनाओं का सफलतापूर्वक संचालन कर रहे हैं। आज के महंगाई के इस दौर में बहुत सी परेशानियों का सामना करते हुए समिति कर्मचारियों को अभावग्रस्त व तंगहाल जिन्दगी जीने को मजबूर होना पड़ रहा है। कर्मचारियों की मांग करते हुए कहा कि विभागीय भर्ती में समिति स्तर पर कार्यरत सभी कर्मचारियों को योग्यता और अनुभव के आधार पर उम्र में शिथिलता देते हुए 100 प्रतिशत भर्ती दिया जाए। गौरतलब है कि कर्मचारियों के अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने से किसानों को खाद बीच एवं नगद ऋष्ण लेने में दिक्कत हो रही है। जैसे कारण किसान परेशान हैं।

पीडब्ल्यूडी विभाग के द्वारा बनाई जा रही सड़क,चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट

» मुरूम के जगह में पूरा मिट्टी डाली जा रही है...

» शासन-प्रशासन की अनदेखी और ठेकेदार की मिलीभगत से पूरे सड़क में मुरूम की जगह मिट्टी डाल दिया जा रहा है

-ओंकार पाण्डेय-
प्रतापपुर ,11 जून 2023 (घटती-घटना)।

प्रतापपुर पीडब्ल्यूडी विभाग के द्वारा बन रही सड़क निर्माण भारी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जा रही है वही रेवटी से लेकर घाट पेंडारी वाड्रफनगर रोड लागत से बन रही सड़क निर्माण के पास सड़क के अगल-बगल सड़क का कटाव ना हो इसलिए बरसात को देखते हुए सड़क बनने के बाद सड़क के दोनों ओर मुरूम डालकर रोलर चलानी है जिससे सड़क का बेस बना रहे उसी स्थान पर मुरूम के जगह में पूरा मट्टी मट्टी डाली जा रही है शासन प्रशासन की अनदेखी और ठेकेदार की मिलीभगत से पूरे सड़क में मुरूम के जगह जंगल से कोड कर लाए गए मिट्टी को ही सड़क में डाल दिया जा रहा है जिसके वजह से उसकी गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लगने लगे हैं वही पीडब्ल्यूडी के द्वारा बनाए जा रहे उक्त सड़क निर्माण बद से बद्तर स्थिति और रुपयों के बंदरबांट की भेंट चढ़ा रही है ग्रामीणों के विरोध करने के बावजूद भी ना विभागीय अधिकारी इस ओर ध्यान दे रहे हैं ना ठेकेदार इस ओर ध्यान दे रहा है जैसे तैसे हालात में उक्त सड़क को बनाने के लिए मिट्टी सड़क में बिछा दी जा रही है जो बरसात के एक मैं ही कीचड़ में तब्दील हो जाएगी ना सही ढंग से डब्ल्यूबीएम की जा रही है और मैं सही ढंग से सड़क निर्माण किया जा रहा है वहीं ठेकेदार अपनी ऊँची पहुंच बताकर अधिकारी से सांठगांठ कर मनमानी कर रहे हैं ओके सड़क निर्माण को जांच करा कार्यवाही एवं गुणवत्तापूर्ण सड़क बनाने की ग्रामीणों ने मांग किया है।

इस विषय में पीडब्ल्यूडी एसडीओ विजय भारती ने बताया कि मैं तत्काल मामले की जांच कर आता हूं तथा जहां तक सड़क में इस तरह का गुणवत्ता विहीन किया गया है मैं ठेकेदार पर कार्रवाई करते हुए शासन को पत्र लिखूंगा।

सबसे बड़ी बात है कि समस्त विकास कार्य सूरजपुर जिला के अंतर्गत में होता है मगर पीडब्ल्यूडी विभाग आधा सूरजपुर जिला तो आधा बलरामपुर जिला के अंतर्गत में शासन प्रशासन की लापरवाही की वजह से सिर कहीं धड़ कहीं की कहावत के अनुसार अलग-अलग विकास कार्य हो रहे हैं।

भाजपा प्रदेश सह प्रभारी नितिन नबीन 13 जून को सूरजपुर में

- संवाददाता -
सूरजपुर,11 जून 2023
(घटती-घटना)।

भाजपा प्रदेश सह प्रभारी नितिन नबीन 13 जून को एकदिवसीय प्रवास पर सूरजपुर आ रहे है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा मोदी सरकार के 09वर्ष पूरे होने पर विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत विधानसभा स्तरीय संयुक्त मोर्चा सम्मेलनो का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य मे 13जून को भाजपा प्रदेश सह प्रभारी नितिन नबीन प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र के संयुक्त मोर्चा सम्मेलन मे शामिल होने सूरजपुर पहुंच रहे हैं। इसमें सूरजपुर जिला भाजपा के सभी मोर्चे से जुड़े पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल होंगे। इससे पहले सर्किट हाउस सूरजपुर मे प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र के कोर कमेटी के सदस्यों की बैठक भी लेगे तत्पश्चात सरस्वती शिशु मंदिर सूरजपुर मे आयोजित संयुक्त मोर्चा सम्मेलन मे शिरकत करेंगे।

कांग्रेस का संभागीय सम्मेलन अब होटल पर्पल ऑर्चिड में होगा

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,11 जून 2023
(घटती-घटना)।

कांग्रेस का संभागीय सम्मेलन अब होटल पर्पल ऑर्चिड में होगा।सरगुज़ा सम्भाग के सभी जिला अध्यक्ष और जिला प्रभारियों की बैठक में यह निर्णय पार्किंग की पर्याप्त उपलब्धता और सुरक्षा कारणों से लिया गया। संभागीय सम्मेलन की तैयारियों की रूपरेखा तैयार करने सरगुजा संभाग के सभी जिला अध्यक्षों और प्रभारियों की बैठक कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में हुई ।जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा के अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने बताया सम्मेलन की मंच व्यवस्था एवं आगंतुकों की सूची प्रदेश कांग्रेस द्वारा निर्धारित की गई है। सम्मेलन में सिर्फ अपेक्षित लोगशामिल हो सकेंगे। इसके लिए सभी जिला अध्यक्षों और प्रभारियों को अपेक्षित लोगों की सूची उपलब्ध कराई गई है ।पदाधिकारियों के सुझाव पर कार्यक्रम स्थल में बदलाव किया गया ।कांग्रेस का सम्मेलन अब होटल बसंत की जगह पर्पल ऑर्चिड के सभागार में होगा जिला कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने आज जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया।देर शाम एआईसीसी प्रभारी सचिव चंदन यादव अम्बिकापुर पहुच गए हैं,उनके मार्गदर्शन में जिला कांग्रेस की टीम तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटी है।

बैठक में बालकृष्ण पाठक अध्यक्ष औषधीय पादप बोर्ड, कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव प्रदेश महामंत्री द्वितेन्द्र मिश्रा, फुलकेरिया भगत, आरती सिंह,सूरजपुर जिला अध्यक्ष भगवती राजवाड़े, राजेंद्र तिवारी बलरामपुर, मनोज सागर यादव ,महापौर अजय तिर्की,हेमन्त सिन्हा, कृपा शकंर गुप्ता,तिलक बेहरा,शैलेश सिंह,अमित सिंह देव,रणविजय सिंह देव,राजीव सिंह, बीरेंद्र सिंहदेव, मोहम्मद इस्लाम अरविंद सिंह गप्पू शैलेन्द्र प्रताप सिंह,सीमा सोनी, सन्ध्या रवानी,गांगी बाई,सुनील मिश्रा,प्रमोद चौधरी,आशीष वर्मा, अशफाक अली,पप्पन सिन्हा, रजनीश सिंह नीतीश चौरसिया उत्तम राजवाड़े विकास केसरी शुभम जयसवाल आलोक सिंह हिमांशु जायसवाल आशीष जायसवाल, सुधांशू गुप्ता, नरेंद्र विश्वकर्मा, चुन्ना, सहित कांग्रेसजन उपस्थित थे।

सूरजपुर पुलिस सड़क दुर्घटना से बचने,सुरक्षित सफर के लिए वाहन चालकों को दे रहा समझाईश

- संवाददाता -
सूरजपुर,11 जून 2023 (घटती-घटना)।

सड़क सुरक्षा का मुख्य उद्देश्य यातायात के नियमों के प्रति जनसामान्य में जागरूकता पैदा करना है, ताकि सड़क हादसों की संख्या में कमी आ सके और वाहन चालक व पैदल चलने वाले राहगीर दोनों ही सुरक्षित रहें इसी उद्देश्य को लेकर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री आई कल्याण एलिसेला ने यातायात प्रभारी सहित जिले के थाना-चौकी प्रभारियों को अभियान चलाकर छोटे-बड़े वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने, वाहन चलाने के दौरान बरते जाने वाले सावधानियों के बारे में अवगत कराने के निर्देश दिए है।

निर्देश के परिपालन में यातायात पुलिस के द्वारा सूरजपुर के हाईवे सहित विभिन्न स्थानों पर छोटे-बड़े वाहन चालकों को रोककर देखा कि कौन तेज गति से गाड़ी चला रहा है, कौन नियमों का पालन नहीं कर रहा है। फिर बकायदा सबको नियमों का पालन करने समझाइश दिया। यातायात प्रभारी बृजकिशोर पाण्डेय ने वाहन चालकों को समझाईश दिया कि शराब पीकर गाड़ी न चलाए, सीट बेल्ट लगाकर ही वाहन चलाए, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करें, दो पहिया वाहन में तीन सवारी न चले, बाईक चलाते समय सदैव हेलमेट का प्रयोग करें, बिना लायसेंस के वाहन न चलाए, छोटे बच्चों को वाहन चलाने के लिए न दे और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करें ताकि सड़क दुर्घटना से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि आगामी 4 दिनों तक टैऊफिक पुलिस के द्वारा चालकों को समझाईश दी जायेगी इसके उपरान्त यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ कार्यवाही का अभियान चलाया जायेगा। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्धेश्य लोगों का चालान काटना नहीं बल्कि लोगों की सुरक्षा और उन्हें यातायात नियमों के प्रति सचेत करना है। उन्होंने लोगों से अपील किया है कि खुद की और दूसरों की सुरक्षा व सुरक्षित सफर के लिए यातायात नियमों का पालन करें।

सरगुजा पुलिस द्वारा रक्षित केंद्र अम्बिकापुर में सभी स्कूल बसों का निरीक्षण कर चालक परिचालकों को दी गई यातायात नियमों की समझाईश

» स्कूल बस निरीक्षण के दौरान पाई गई खामियों को दुरुस्त करने हेतु 4 दिन का दिया गया समय

» बस चालकों एवं परिचालको को यातायात की पाठशाला में यातयात नियमों का पालन करने दिए गए दिशा निर्देश

» बस चालको का ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन फिटनेस,वाहनो में सीसीटीवी, अग्नि शमन, एवं फर्स्ट ऐड की व्यवस्था को किया गया चेक

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 जून 2023
(घटती-घटना)।

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज राम गोपाल गर्ग (भा.पु.से.)के सतत मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक सरगुजा सुनील शर्मा (भा.पु.से.) के निर्देशन मे जिले के सभी शिक्षण संस्थाओ द्वारा बच्चों के आवागमन हेतु प्रयोग किये जाने वाले स्कूल बस का निरीक्षण कर स्कूल खुलने से पूर्व सभी निर्धारित मापदंडो को पूर्ण करने के दिशा निर्देश दिए गए थे.

इसी क्रम मे आज दिनांक को रक्षित केंद्र अम्बिकापुर मे सुरक्षित वाहन सुरक्षित आवागमन के उद्देश्य से स्कूल बस चालकों/ परिचालको की बैठक आयोजित कर यातायात नियमो के प्रति जागरूक किया गया एवं तत्पश्चात सभी वाहनों का बारिकी से निरीक्षण कर पाई गई खामियों को स्कूल खुलने से पूर्व दुरुस्त करने के दिशा निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान स्कूल बस मे अग्नि शमन, सीसीटीवी, फर्स्ट ऐड बॉक्स, इमरजेंसी गेट की व्यवस्था सहित लाइट, इंडिकेटर एवं वाइपर आदि की व्यवस्था को चेक किया गया एवं स्कूल वाहनों मे पाई गई व्यवस्थाओ मे कमी पाये जाने पर स्कूल खुलने से पूर्व सभी व्यवस्था का सुचारु संचालन करने के निर्देश दिए गए, इस दौरान यातायात पुलिस एवं आरटीओ द्वारा वाहनो के संचालन मे लापरवाही पर चालानी कार्यवाही भी की गई हैं।

निरीक्षण के दौरान उप पुलिस अधीक्षक यातायात कामता सिंह दीवान, रक्षित निरीक्षक जयराम चेरमाको, सहित यातायात एवं आरटीओ के अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे।

ट्रक से टकराई कार 4 लोग हुए घायल

- संवाददाता -
लखनपुर,11 जून 2023 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अंबिकापुर बिलासपुर नेशनल हाईवे 130 स्थित नवापुरा स्वास्थ्य केंद्र के सामने रविवार की सुबह लगभग 6:00 बजे ट्रक से जा टकराई कार । कार में सवार 4 लोग घायल हो गए जिन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है प्राप्त जानकारी के मुताबिक विशाखापट्टनम निवासी एस श्रीनिवासन, किरण कुमार , शेखर राव जो बनारस से कार बुक कर रायपुर जा रहे थे जैसे ही लखनपुर थाना क्षेत्र के नवापारा स्वास्थ्य केंद्र के सामने पहुंचे गाजीपुर निवासी कार चालक भानु प्रताप ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक के पिछले पहिया से कार जा टकराई कार में सवार 4 लोग घायल हो गए 108 की टीम के द्वारा चारों घायलों को लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां प्राथमिक उपचार करते हुए घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि रायपुर से विशाखापट्टनम के लिए ट्रेन थी बनारस से कार बुक कर रायपुर जा रहे थे कार सवार ।

शातिर चोर को थाना रामानुजनगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

आरोपी के द्वारा 2 मोटर सायकल, एक कार तथा धान चोरी की वारदात को दिया था अंजाम

- संवाददाता -
सूरजपुर,11 जून 2023
(घटती-घटना)।

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज रामगोपाल गर्ग के सतत् मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक सूरजपुर आई कल्याण एलिसेला ने जिले के थाना-चौकी प्रभारियों को अपराध पर अंकुश लगाने, चोरी के मामले में आरोपियों की पतासाजी कर उन्हें जेल की सलाखों के पीछे भेजने के सख्त निर्देश दिए थे। इसी परिप्रेक्ष्य में थाना रामानुजनगर पुलिस ने 4 अलग-अलग स्थानों से 2 मोटर सायकल, 1 कार व एक घर से धान चोरी करने वाले शातीर चोर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

विगत शनिवार को ग्राम पटना निवासी होसराम सिंह ने थाना रामानुजनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 9 जून को घर को बंद कर घास काटने गया था वापस आया तो घर का दरवाजा खुला और सामान बिखरा पड़ा था, करीब 25 किलो धान का बोरी गायब था पासपास के लोगों से पता चला कि बंधन सिंह चोरी कर ले गया है की रिपोर्ट पर धारा 454, 380 भादसं के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की विवेचना के दौरान थाना रामानुजनगर पुलिस ने दबिश देकर आरोपी बंधन सिंह को पकड़ा। पूछताछ पर उसने बताया कि करीब 2 माह पूर्व सूरजपुर जेल से छूटा है छूटने के बाद ग्राम पोड़ी से फैशन प्रो मोटर सायकल को चोरी किया और पेट्रोल खत्म होने पर ग्राम सेन्दरी में एक गैरेज में खड़ा कर दिया, इसके करीब 10 दिन बाद रात में ग्राम कौशलपुर में होण्डई कार का

चाभी रास्ते में गिरा मिला और कार को चोरी कर ग्राम तिलसिवां सूरजपुर के पास पेट्रोल खत्म होने पर छोड़ दिया, इसके बाद रात्रि के वक्त गायत्री खदान में घुसकर मोटर सायकल स्टैण्ड से सीडी 100 एसएस मोटर सायकल को चोरी कर राजापुर जंगल में मोटर सायकल बंद होने पर वहीं छोड़ दिया। 9 जून को पटना से 25 किलो धान को चोरी कर बेचने के लिए खदान के पास छिपा दिया था जिसे आरोपी के निशानदेही पर बरामद किया गया है।

पूर्व में थाना रामानुजनगर पुलिस टीम के द्वारा ग्राम पोड़ी से चोरी हुए फैशन प्रो मोटर सायकल क्रमांक सीजी 15 सीजे 9436 को ग्राम सेन्दरी से बरामद किया तो वहीं ग्राम कौशलपुर से चोरी हुए होण्डई कार क्रमांक सीजी 16 सीजे 6607 को ग्राम तिलसिवां से लावारिश हालत में बरामद किया तथा थाना सूरजपुर पुलिस के द्वारा गायत्री खदान से चोरी हुए सीडी 100 एसएस मोटर सायकल क्रमांक सीजी 15 डी 0473 को राजापुर जंगल से बरामद करने में सफलता हासिल किया है जिसकी कीमत करीब 4 लाख रूपये है। उपरोक्त चारों मामलों में आरोपी बंधन सिंह पिता चन्दभान सिंह उम्र 29 वर्ष ग्राम लांची, थाना सूरजपुर को गिरफ्तार किया है।

इस कार्यवाही में थाना प्रभारी रामानुजनगर प्रकाश राठौर, एसआई सरफराज फिरदौसी, एएसआई बिसुनदेव पैंकरा, प्रधान आरक्षक संजय सिंह राजपूत, राहुल गुप्ता, आरक्षक दीपक यादव, धनंजय साहू, गजेन्द्र पाल व विकास सिंह सक्रिय रहे।

एक तिहाई पुरुषों के लिए महिला हिंसा आम बात,52 फीसदी ने कहा-वे चूल्हा-चौका ही करें

बर्लिन, 11 जून 2023। विकसित देशों की सूची में शुमार जर्मनी से एक शर्मिंदगी भरी खबर सामने आई है। जर्मनी में किए गए एक सर्वे के बाद सामने आया कि देश के एक तिहाई से अधिक पुरुषों को लगता है कि अगर उनका हाथ महिलाओं पर उठ जाता है तो इसमें कोई बड़ी बात नहीं है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा को पुरुषों ने स्वीकार्य किया है। सर्वे करने वाली कंपनी ने इसे शर्मनाक करार दिया है।

घटना शर्मनाक है

जर्मनी के एक अखबार में प्रकाशित हुए सर्वे के मुताबिक, 18-25 साल के आयु वर्ग के 33 प्रतिशत पुरुषों का कहना है कि अगर किसी महिला के साथ उनकी बहस होती है और उनका गलती से हाथ उठ जाए तो इसमें कोई दिक्कत नहीं है। यह स्वीकार्य है। सर्वे के अनुसार, 34 प्रतिशत पुरुषों ने कहा कि अतीत में कभी न कभी उन्होंने महिलाओं पर हाथ उठाया है। उनके साथ हिंसा की है।

एक हजार पुरुष सर्वे में शामिल

लैंगिक समानता के प्रति आवाज उठाने वाले संस्थान फेडरल फोरम मेन के सदस्य कार्स्टन कास्नर ने कहा कि आंकड़े बेहद शर्मनाक हैं। सर्वे में शामिल 33 प्रतिशत पुरुष महिलाओं के खिलाफ शारीरिक हिंसा को सामान्य समझते हैं। यह एक बड़ी समस्या है और इसे बदलना चाहिए। सर्वे में देश भर के एक हजार पुरुषों और एक हजार महिलाओं को शामिल किया गया था। सर्वे के अनुसार, 52 प्रतिशत पुरुषों का मानना है कि उनकी साथी महिलाओं को ज्यादातर घर ही चलाना चाहिए और उन्हें खुद घर का मुख्य रहना चाहिए, जो घर में कमियों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाए।

समलैंगिकता से भी परेशानी

सर्वे रिपोर्ट में सामने आया कि करीब 48 प्रतिशत लोगों का कहना है कि समलैंगिकता का सार्वजनिक प्रदर्शन करना सही नहीं है। इससे उन्हें परेशानी होती है। प्लान इंटरनेशनल जर्मनी की प्रवक्ता एलेक्जेंड्रा शाचर ने बताया कि लोग अब भी पुराने सोच के हैं। उनके दिमाग में सिर्फ दो ही पारंपरिक लिंगों की भूमिकाएं हैं।

महिला हिंसा से जुड़े कुछ आंकड़े

पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, जर्मनी में करीब 1,15,000 महिलाएं अपने साथी की हिंसा का शिकार हुई है। हर घंटे करीब 13 महिलाएं हिंसा का शिकार होती हैं। 2021 में करीब 301 महिलाओं की उनके साथी ने हत्या की थी। पिछले साल, जर्मनी के न्याय मंत्री मार्को बुशमैन ने कहा था कि महिलाओं के खिलाफ हो रही हिंसाओं को अधिक गंभीरता से लेना होगा। कड़ी कार्रवाई के लिए कानूनी बदलावों पर जोर दिया जाएगा।

भीषण गर्मी में बदन पर ऊनी कपड़े और भालू वाली टोपियां,प्रिंस विलियम के सामने बेहोश होकर गिर पड़े तीन सैनिक

लंदन,11 जून 2023। वार्षिक ट्रूपिंग द कलर परेड के लिए प्रिंस विलियम के सामने अंतिम रिहर्सल के दौरान शनिवार को तीन सैनिक बेहोश हो गए। भीषण की गर्मी में सैनिक ऊनी कपड़े और भालू की खाल वाली टोपियां पहने हुए थे। लंदन में शनिवार को तापमान 30 डिग्री सेल्सियस (86 डिग्री फारेनहाइट) तक पहुंच गया।

इसके बाद प्रिंस विलियम ने एक ट्वीट में लिखा, ÷भीषण गर्मी के बीच आज कर्नल रिव्यू में हिस्सा लेने वाले प्रत्येक सैनिक का बहुत-बहुत धन्यवाद। मुश्किल परिस्थितियों में भी आप सभी ने वास्तव में अच्छा काम किया। धन्यवाद।÷ ट्वीट में उन्होंने लिखा, इस तरह के आयोजन के लिए कड़ी मेहनत और तैयारी का श्रेय इसमें शामिल सभी लोगों को जाता है।

वीडियो में देखा जा सकता है कि गर्मी के कारण एक सैनिक बेहोश होकर गिरता है। इसके कुछ देर बाद डॉक्टर उसकी मदद के लिए दौड़ पड़ते हैं।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन की स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी ने दक्षिण इंग्लैंड के लिए गर्म मौसम का %अलर्ट% जारी किया है। यह कार्यक्रम %ट्रूपिंग द कलर% के लिए एक रिहर्सल था, जो सम्राट के आधिकारिक जन्मदिन को चिह्नित करने के लिए प्रत्येक जून में आयोजित एक वार्षिक सैन्य परेड थी। किंग चार्ल्स-तृतीय 17 जून को समारोह की देखरेख करेंगे।

बांग्लादेश पर मुसीबतों का टूटा पहाड़,आर्थिक और ऊर्जा संकट के बीच गर्मी की भी मार

ढाका,11 जून 2023। काफी इंतजार के बाद गुरुवार को बांग्लादेश के कई हिस्सों में हल्की बारिश हुई। लेकिन इसके पहले देश को लगातार दो महीने गर्म हवाओं के बीच गुजारने पड़े। इस बीच औसत तापमान 41 डिग्री सेल्सियस बना रहा। इस दौरान बिजली की मांग बढ़ी, जिसे पूरा करने में अधिकारियों को बेहद दिक्कत पेश आई। इसी समय सप्लायरों ने पर्या पॉवर प्लांट के लिए कोयले की सप्लाई रोक दी, जहां प्रति दिन 1,320 मेगावाट बिजली पैदा होती है। सप्लायरों की शिकायत है कि उन्होंने कोयले की जो सप्लाई की थी, उसका भुगतान नहीं हुआ है। अभी तक यह तय नहीं है कि ये बिजली संयंत्र दोबारा कब चालू होगा। पिछले साल बांग्लादेश ने बिजली उत्पादन का अपना लक्ष्य हासिल कर लिया था। तब इसे देश की एक बड़ी उपलब्धि बताया गया था। लेकिन यह जश्न ज्यादा दिन नहीं चला। पिछले साल फरवरी में ही यूक्रेन पर रूस का हमला शुरू होने के बाद कई अन्य विकासशील देशों की तरह बांग्लादेश भी ऊर्जा संकट, महंगाई और घटते विदेशी मुद्रा भंडार की समस्या का शिकार बनने लगा। गहराते संकट के कारण अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने बांग्लादेश को 4.7 बिलियन डॉलर का ऋण फुर्ती से जारी कर दिया, इसके बावजूद उसका विदेशी मुद्रा भंडार घट कर पिछले महीने के आखिर में 30 बिलियन डॉलर से भी नीचे आ गया था। जबकि यूक्रेन संकट शुरू होने के पहले बांग्लादेश के विदेशी मुद्रा भंडार में 48 बिलियन डॉलर मौजूद थे।

बांग्लादेश के बिजली राज्य मंत्री नसरुल हमीद ने इस हफ्ते संसद में बताया कि देश में इस समय 2,500 मेगावाट बिजली की कमी है। इस कारण ग्रामीण इलाकों में दस घंटों तक की लोडशेडिंग करनी पड़ रही है। बिजली में बार-बार कटौती से जहां उद्योग-धंधों के लिए दिक्कतें पैदा हुई हैं, वहीं आम लोग भी मुश्किल में हैं। ढाका निवासी शहाबुद्दीन ने वेबसाइट निक्कईएशिया.कॉम से कहा- 'पहले मैं लोडशेडिंग के समय का हिसाब रखता था। लेकिन अब इसे रखना संभव नहीं रह गया है। अब जानना मुश्किल है कि किस समय और कितनी देर तक के लिए बिजली चली जाएगी।' बिजली का संकट उस समय पैदा हुआ है, जब देश में असामान्य गर्मी पड़ रही है। गर्म हवाओं के कारण कुछ लोगों की जान जाने या बीमार होने की खबरें भी आई हैं। हालात को देखते हुए सरकार ने इस हफ्ते देश भर में प्राइमरी और सेकंडरी स्कूलों को बंद करने का एलान किया। रोग नियंत्रण विभाग निदेशालय के प्रमुख नजमुल इस्लाम मुन्ना ने निक्कई एशिया से कहा कि असामान्य गर्मी के कारण देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य की समस्या ने गंभीर रूप ले लिया है।

खराब मौसम के कारण भटककर लाहौर पहुंचा इंडिगो का विमान,आधे घंटे बाद भारतीय हवाई क्षेत्र में लौटा

इस्लामाबाद,11 जून 2023। अमृतसर से अहमदाबाद जा रहा इंडिगो एयरलाइंस का एक विमान खराब मौसम के कारण भटककर लाहौर के पास चला गया। भारतीय हवाई क्षेत्र में वापस लौटने से पहले विमान गुजरांवाला तक चला गया। एयरलाइन की ओर से अभी तक इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। स्थानीय मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी।

विमान ने साढ़े सात बजे लाहौर में किया प्रवेश

पाकिस्तान के एक प्रमुख समाचार पत्र ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि 453 समुद्री मील की जमीनी गति के साथ भारतीय विमान ने शनिवार शाम करीब 7 बजकर 30 मिनट पर लाहौर में प्रवेश किया और रात 8 बजकर 1 मिनट पर वापस भारत लौटा।

भारतीय हवाई क्षेत्र में भी घुसा था पीआईए का विमान

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि नागर विमानन मंत्रालय (सीएए) के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह सामान्य घटना है, क्योंकि खराब मौसम में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी अनुमति दी गई थी। मई में पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) का एक विमान भारतीय हवाई क्षेत्र में घुस गया था और पाकिस्तान में भारी बारिश के कारण करीब 10 मिनट तक वहां रुका था।

पाकिस्तान के विमान को भी उतरने में हुई मुश्किल

विमान संख्या पीके-248 चार मई को मस्कत से लौट रहा था और लाहौर के अल्लामा इकबाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने का प्रयास कर रहा था। हालांकि, भारी बारिश के कारण पायलट के लिए बोइंग 777 विमान को उतारना मुश्किल हो गया था। इस बीच, हवाई अड्डों पर खराब दृश्यता के कारण पाकिस्तान में कई उड़ानों का मार्ग परिवर्तित कर दिया गया और इसमें देरी हुई।

इस्लामाबाद की ओर मोड़ी गईं लाहौर जाने वाली उड़ानें

सीएए प्रवक्ता ने कहा कि उसने लाहौर के लिए मौसम की चेतावनी शनिवार रात 11:30 बजे तक बढ़ा दी, क्योंकि अल्लामा इकबाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दृश्यता 5,000 मीटर थी। खराब दृश्यता के कारण लाहौर जाने वाली कई उड़ानों को इस्लामाबाद की ओर मोड़ दिया गया।

पाकिस्तान के तीन जिले सर्वाधिक प्रभावित

पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में शनिवार शाम तेज हवाओं और गरज के साथ बारिश हुई। %द एक्सप्रेस ट्रिब्यून% अखबार की एक रिपोर्ट के अनुसार, खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के आसपास के तीन जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं, जहां करीब 29 लोगों की मौत हो गई।

न्यूयॉर्क विधानमंडल ने स्कूलों में दिवाली की छुट्टी के लिए विधेयक पारित किया

न्यूयॉर्क 11 जून,2023। न्यूयॉर्क राज्य विधानमंडल ने दिवाली पर शहर के स्कूलों में छुट्टी घोषित करने के लिए एक विधेयक पारित किया है। सीनेट और विधानसभा दोनों ने सुबह अपना सत्र समाप्त करने से पहले विधेयक के लिए मतदान किया और अब इसे कानून बनाने के लिए गवर्नर कैथी होचुल के अपेक्षित हस्ताक्षर के लिए भेजा गया है। बिल पेश करते हुए विधानसभा सदस्य जेनिफर राजकुमार ने कहा, दिवाली को स्कूल की छुट्टी बनाकर दक्षिण एशियाई, इंडो-कैरेबियाई, हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध समुदायों की जीवंत सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करने का पुराना समय आ गया है। इन समुदायों के अनुमानित 200,000 छात्र रोशनी के त्योहार को अपने तरीके से स्कूल से मुक्त करने में सक्षम होंगे। जेनिफर ने कहा, न्यूयॉर्क में राज्य कार्यालय के लिए चुनी गई पहली हिंदू-अमेरिकी और दक्षिण एशियाई-अमेरिकी महिला के रूप में मैं दिवाली मनाने वालों सहित नए अमेरिकी समुदायों की वकालत करने में विशेष गर्व महसूस करती हूं।

अब ट्रंप का क्या होगा ? फिलहाल अमेरिका में सभी की जुबान पर सिर्फ एक ही सवाल

वॉशिंगटन,11 जून 2023। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर गंभीर अभियोग लगने के बाद अब उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर कयास तेज हो गए हैं। यह चर्चा भी जोर पकड़ गई है कि अगले मंगलवार को ट्रंप की गिरफ्तारी हो सकती है। उस रोज ट्रंप को ताजा मामले में कोर्ट में पेश होना है। पहले ट्रंप पर अवैध यौन संबंध के मामले में संबंधित महिला को चुप रहने के लिए पैसा देने का अभियोग लगा था। अब उन पर जिन 37 आपराधिक मामलों में अभियोग लगाए गए हैं, वे उसकी तुलना में कहीं अधिक संगीन प्रकार के हैं।

ट्रंप पर ताजा अभियोग 2021 में राष्ट्रपति छोड़ने के बाद ह्वाइट हाउस से गोपनीय दस्तावेज अपने साथ ले जाने के मामले में लगे हैं। इस तरह उन पर सरकारी गोपनीयता को भंग करने का इल्जाम लगा है। साथ ही उन पर छापा मारने गए एफबीआई अधिकारियों से सहयोग ना करने के मामले में न्याय में बाध डालने का अभियोग भी लगाया गया है। पिछले साल अगस्त में अमेरिका की प्रमुख जांच एजेंसी एफबीआई ने फ्लोरिडा राज्य में ट्रंप के मार-ए-लेगो स्थित निवास पर छापा मारा था और दावा किया था कि उसने वहां से 13 हजार से ज्यादा दस्तावेज जब्त किए हैं।

ट्रंप पर जासूसी कानून के तहत अभियोग लगाया गया है, जिसमें केस साबित होने पर दस साल तक की कैद हो सकती है। इसके अलावा न्याय में बाधा डालने और जांचकर्ताओं से झूठ बोलने का आरोप साबित होने पर भी उन्हें कैद सुनाई जा सकती है।

विधि विशेषज्ञों का कहना है कि जिन आरोपों के तहत ट्रंप पर मुकदमा शुरू किया गया है, उनमें कोई ऐसा नहीं है, जिससे ट्रंप के 2024 में राष्ट्रपति चुनाव लड़ने पर रोक लगे। ट्रंप उस चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनने की होड़ में उतर चुके हैं और जनमत सर्वेक्षणों में बाकी तमाम प्रत्याशियों से काफी आगे चल रहे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक ट्रंप पर मुकदमा कई महीनों तक चलता रहेगा। इस दौरान अपनी राजनीतिक गतिविधियां चलाने के लिए ट्रंप स्वतंत्र होंगे। अमेरिकी संविधान के मुताबिक कोई भी वह व्यक्ति राष्ट्रपति चुनाव लड़ सकता है, जो 35 वर्ष की उम्र पूरा कर चुका हो और कम से कम 14 साल से अमेरिका में रह रहा हो।

राजनीतिक विश्लेषकों ने कहा है कि अगर अगले साल नवंबर में होने वाले चुनाव में ट्रंप जीत गए, तो उसके बाद अभियोग पक्ष इस केस को आगे बढ़ाएगा, इसकी संभावना बहुत घट जाएगी। अमेरिका में न्याय मंत्रालय सरकार का हिस्सा है, जबकि राष्ट्रपति सरकार प्रमुख होते हैं। न्याय मंत्रालय की यह नीति रही है कि वह पद पर मौजूद राष्ट्रपति पर मुकदमा नहीं चलाता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक अगर ट्रंप अगले साल जीत गए, तो अधिक संभावना है कि राष्ट्रपति को मिले विशेषाधिकार का इस्तेमाल करते हुए वे अपने को माफी प्रदान कर देंगे। इस तरह यह मामला खत्म हो जाएगा। हालांकि कुछ कानून विशेषज्ञों की राय है कि राष्ट्रपति उस मामले में अपने को माफी प्रदान नहीं कर सकते, जिसमें सजा किसी राज्य के कोर्ट से हुई हो। यौन रिश्ता संबंधी मामला उन पर न्यूयॉर्क राज्य की अदालत में चल रहा है।

गृह मंत्री सनाउल्लाह ने कहा-हिंसा के खिलाफ भी इमरान खान पर करेंगे कार्रवाई,देश में जहर घोल दिया

इस्लामाबाद, 11 जून 2023। पाकिस्तान की राजनीति में खींचतान अपने चरम पर है। कभी सरकार विपक्ष पर तो कभी विपक्ष सरकार पर निशाना साधती है। शनिवार को सरकार ने निशाना साधते हुए कहा कि नौ मई को हुई हिंसा के खिलाफ पूर्व प्रधानमंत्री पर जल्द कार्रवाई शुरू की जाएगी। बता दें, पाकिस्तान के पूर्व पीएम को नौ मई को गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद देश के अलग-अलग इलाकों में हिंसक घटनाएं हुई थीं। इस दौरान कई सैन्य प्रतिष्ठानों को भी प्रदर्शनकारियों ने नुकसान पहुंचाया था।

खान ने नौजवानों में जहर घोला है

पाकिस्तान में एक इंटरव्यू देते हुए गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने कहा कि देश में हुई हिंसा के लिए पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ही 100 प्रतिशत जिम्मेदार हैं। पाकिस्तान में जो कुछ भी हुआ, राजनीति में जो नफरत फैली, पाकिस्तानी पॉलिटिक्स में जो भी गड़बड़ी हुई, देश पर आर्थिक संकट छाया, देश में अस्थिरता आई और इनका जिम्मेदार सिर्फ एक व्यक्ति ही है, जिसका नाम इमरान खान है। इमरान खान ने नौजवानों में जहर घोल दिया है। खान इन सबके जिम्मेदार हैं और जल्द ही उनके ऊपर कार्रवाई की जाएगी। हिंसा में जो लोग शामिल थे, उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। उन्हें गिरफ्तार किया गया है। अब सबूतों के आधार पर जल्द ही मास्टरमाइंड को भी पकड़ा जाएगा।

पहले से नियोजित थी हिंसा

इमरान खान के ऊपर कार्रवाई में कितना समय लगेगा। इसका जवाब देते हुए इंटरव्यू में राणा ने कहा कि सिर्फ दो से तीन सप्ताह के अंदर कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। हिंसा पहले से नियोजित थी, 100 प्रतिशत नियोजित, कौन क्या करेगा, सबकी जिम्मेदारी तय थी। सुरक्षाबल हिंसा में शामिल लोगों से पूछताछ कर रही है। पूछताछ के दौरान सामने आया कि पीटीआई नेता यस्मिन रशीद, महमूद-उर-रशीद और हम्माद अजहर ने कॉर्प्स कमांडर हाउस, जिन्ना हाउस पर हमला किया था।

क्या हुई थी हिंसा

पाकिस्तान सरकार के आदेश पर 9 मई को खान को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद पीटीआई कार्यकर्ताओं ने जिन्ना हाउस, मियांवाली एयरबेस, आईएसआई भवन सहित एक दर्जन सैन्य प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की थी। रावलपिंडी के सैन्य मुख्यालय पर भी भीड़ ने हमला किया था। पुलिस के अनुसार, हिंसा में करीब 10 लोगों की मौत हुई थी। वहीं पीटीआई का दावा है कि सुरक्षाबलों की फायरिंग में उनके पार्टी के करीब 40 लोगों की मौत हो गई। इमरान खान का दावा किया था कि सेना के जरिए पीटीआई को खत्म करने की कोशिश की जा रही है। इन सब साजिशों के पीछे पीडीएम का हाथ है, जो देश के लिए काफी खतरनाक है। पाकिस्तान की सरकार अब चुनावों में हमसे जीत नहीं सकती, इसलिए वह अब सेना के साथ मिलकर हमें तोड़ रहे हैं।

अमेजन के जंगल में 40 दिन तक बीज-जड़ें और पौधे खाकर जिंदा रहे चार बच्चे,विमान हादसे में हुए थे लापता

बोगोटा,11 जून 2023। कोलंबिया के अमेजन जंगलों में चालीस दिन पहले एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। इस घटना के बाद खबर आई थी कि विमान में सवार सभी लोग मारे गए हैं। अब खबर है कि इस विमान में सवार चार बच्चे जीवित पाए गए हैं। ये सभी भाई-बहन हैं। बताया जा रहा है कि इन्होंने खुद की जान बचाने के लिए इस दौरान जंगल में बीज, जड़ें और पौधे खाकर अपने दिन बिताए।

इन भाई-बहनों को कोलंबिया के कैक्वेटा और गुआवियारे प्रांतों के बीच सेना और संगठनों के बचाव अभियान से बचाया गया। नेशनल ऑर्गनाइजेशन ऑफ इंडिजिनस पीपल्स ऑफ कोलंबिया (ओपीएसी) ने कहा कि बच्चों का जीवित रहना इस बात का संकेत है कि उन्हें प्राकृतिक वातावण का कितना ज्ञान था और उसके साथ उनका संबंध था, जो मां के गर्भ में शुरू होता है।

नेशनल इंडिजिनस ऑर्गेनाइजेशन ऑफ कोलंबिया (ओएनआईसी) के लुइस अकोस्टा ने एएफपी को बताया कि बच्चों ने बीज, फल, जड़ें और पौधे खाए, जिन्हें उन्होंने इसे अमेजन क्षेत्र में खाने योग्य पहचाना। खोज अभियान में हिस्सा लेने वाले अकोस्टा ने कहा कि बच्चे %आध्यात्मिक शक्ति% से ओत-प्रोत थे। ओएनआईसी के एक अन्य सदस्य जेवियर बेटनकोर्ट ने कहा, हमारा प्रकृति से विशेष संबंध है। दुनिया को प्रकृति के साथ इस तरह के विशेष संबंध की आवश्यकता है, स्वदेशी लोग (आदिवासी) जंगल में रहते हैं

और इसकी देखभाल करते हैं।

राष्ट्रपति पेट्रो ने खोजी दल की प्रशंसा की

खोज के दौरान सैनिकों ने 20 दिनों तक स्वदेशी ट्रैकर्स के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने ओएनआईसी और सैनिकों की प्रशंसा की और कहा कि यह जंगल के लिए सम्मान दिखाता है। सेना के हेलीकॉप्टरों ने बच्चों की दादी की रिकॉर्डिंग प्रसारित की, जिसमें स्वदेशी हुइतोतो भाषा में कहा गया था कि बचावकर्ताओं के पहुंचने तक एक स्थान पर रहें।

अकोस्टा ने सैनिकों और स्वदेशी विशेषज्ञों का जिक्र करते हुए स्थानीय मीडिया से कहा, राष्ट्रपति पेट्रो हमें एक साथ लाए। उन्होंने कहा, %खोज शुरू होने से आठ दिन पहले एक शुरुआती बैठक में राष्ट्रपति ने हमें बताया था कि हमें सेना के साथ जाने की जरूरत है क्योंकि सेना इसे अकेले नहीं कर सकती है।%

1 मई 2023 को हुई थी विमान दुर्घटना

बीती एक मई को सेसना नामक कंपनी का एक सिंगन-इंजन प्रोपेलर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। यह विमान सात लोगों को अमेजन प्रांत में सैन जोस डेल शहर में ले जा रहा था। इंजन में खराबी के कारण विमान रडार से बाहर हो गया था। उसके बाद यह हादसा हुआ था। इसके बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया था लेकिन तीन लोगों के ही शव मिले थे। जबकि चार बच्चे लापता हो गए थे। लेकिन अधिकारियों ने अपना खोज अभियान बंद नहीं किया था। अधिकारियों को संदेह था कि बच्चे बचे हुए हैं।

जब गेज बांध मुआवजा मामले में हुआ था बड़ा घोटाला तो फिर कैसे निकलने लगी मुआवजे की राशि ?

- जिन्होंने मुआवजा वितरण राशि में लगाया था गड़बड़ी का आरोप वही दलाल पैसे लेकर राशि दिलवा रहे हितग्राहियों को
- हितग्राहियों के हितैषी बनने की खुल गई पोल 7 करोड़ की राशि मिली गेज बांध के पांच हितग्राहियों को 25 प्रतिशत राशि निकलवाने के नाम पर दलाल ने ले लिए...
- आईसीआईसीआई बैंक के मैनेजर की भूमिका भी संदिग्ध आखिर क्यों उसी बैंक के खाते में जा रहा है मुआवजे का पैसा?
- गेज बांध मुआवजा घोटाला मामले में शिकायत के 1 साल बाद शिकायतकर्ता व भ्रष्टाचार को उजागर करने का दवा करने वाले क्यों हो गए चुप?
- क्या दलाल ही थे गेज बांध घोटाले मामले की शिकायतकर्ता,रोक लगाने के बाद अब वही सिफारिश कर दिला रहे दबी में पैसा और ऐंठ रहे हैं कमीशन की बड़ी राशि?
- शासन को 17 करोड़ 34 लाख देना पड़े तो समझिये शासन के पैसो का दुरूपयोग कितना गुना होगा
- 1992 में अधिग्रहण हुये जमीन मुआवजा राशि का भुगतान 2022 में गड़बडी का आरोप
- तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी पर गड़बड़ी का लग रहा आरोप,आखिर कौन करेगा इसकी जांच

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर, 11 जून 2023 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले में गेज बांध मुआवजा राशि मामले में फिर एकबार भ्रष्टाचार का मामला उजागर हुआ है और इस बार गड़बड़ी का आरोप उन लोगों पर लगा है जिन्होंने पूरे मामले में पूर्व में खुद आरोप लगाया था और गड़बड़ी को लेकर मुखर हुए थे और मुआवजा राशि वितरण पर रोक लगवाया था, अब वही सामने से आकर मुआवजा का वितरण करवा रहे हैं और मामले में मोटा दलाली खा रहे हैं। बताया जा रहा है की 25 प्रतिशत की दलाली में सभी को मुआवजा वितरण हो रहा है और इसके लिए एक बैंक भी निश्चित किया गया है जिसके माध्यम से मुआवजे की राशि का भुगतान हो रहा है और कमीशन और दलाली का खेल खेला जा रहा है। पूरे मामले में पूर्व में जो लोग हितग्राहियों के हितैषी बनकर सामने आए थे और गड़बड़ी का आरोप लगाकर जिन्होंने मुआवजा वितरण पर रोक लगवाया था वह अब खुद पूरे भ्रष्टाचार में शामिल नजर आ रहें हैं और भुगतान धड़ल्ले से करवा रहे हैं। अब तक 7 करोड़ रुपए का मुआवजा वितरण हो चुका है और यह उन्ही लोगों के कारण हुआ है जो लोग यह कहते सुने जा रहे थे एक वर्ष से की वह गेज बांध मुआवजा वितरण मामले का भ्रष्टाचार उजागर करेंगे और घोटाले को समाने लायेंगे। अब वही लोग चुप हो गए हैं और पूरे मामले में संलिप्त होकर मुआवजा वितरण करा रहे हैं।

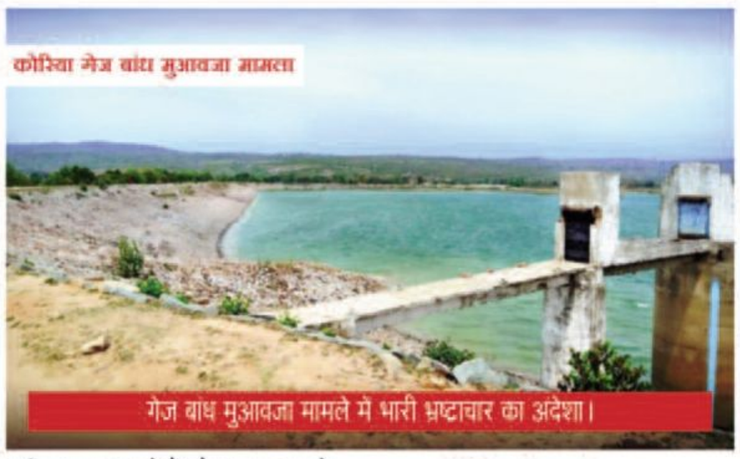

गेज बांध मुआवजा वितरण राशि में करोड़ों की गड़बड़ी का आरोप

यह है मामला

अविभाजित मध्यप्रदेश के सरगुजा जिले के बैकुण्ठपुर क्षेत्र के छरछा बैकुण्ठपुर में गेज बांध निर्माण जमीन अधिग्रहण 1992 का मामला जिसके मुआवजे में 30 साल के विलंब के बाद मुआवजे वितरण सूची में गड़बड़ी का आरोप लग रहा है, समय के साथ मुआवजा के असली हकदार भटक रहे कब्जाधारी मुआवजा राशि लेने की फेर में प्रशासन पर मिलीभगत कर मुआवजे का गलत वितरण कराने का गंभीर आरोप है और इस आरोप का जांच की मांग उठने लगी है और वर्तमान कलेक्टर ने मौखिक रूप से मुआवजा वितरण पर रोक तो लगा था है पर मामला ठंढ़ा पड़ने के बाद मुआवजा का फिर भुकतान होने लगा, पर इसमें से कुछ लोगों को मुआवजा मिल गया है और बंदरबांट हो चुका है। अब सवाल यह है कि सारे दस्तावेज सूची बनाने वाले जिम्मेदार अधिकारी की तरफ गड़बड़ी का इशारा कर रहे है आखिर गड़बड़ी मामले में जांच कब होगी? जिस पर गड़बड़ी का आरोप है उस जिम्मेदार अधिकारी को पद से पृथक कर जांच क्यों नहीं हो रहा है? क्या शासन के पैसो का बंदरबांट करने के लिये समय दिया जा रहा है? मामले में साक्ष्य भी मौजुद है और शिकायत भी हुयी है इसके बाद भी गड़बड़ी करने वालो के हौसले बुलंद है साथ ही कई गड़बड़ी होती जा रही है, मुआवजे सूची का प्रकाशन के बाद कुछ हितग्राहीयों को मुआवजा वितरण किया गया है पर गड़बड़ी की शिकायत होने पर बैंक से पैसा निकासी पर रोक नहीं लगायी गयी है।

2018 में शुरू हुये प्रकरण में आ रही घोटाले की गंध

1992 के प्रकरण को ही आगे लेकर बढ़ना था क्योंकि यह सारे प्रकरण मौजुदा विभाग के पास दस्तावेज के तौर पर पड़े थे और सारी जानकारियां पूर्णतः स्पष्ट थी पूर्व के अधिकारियों ने भू-स्वामीयों को संतुष्ट करने के बाद ही अधिग्रहण किया था, यही वजह था कि उस समय सिर्फ मौखिक आपत्ति ही आयी और उस मौखिक आपत्ति को गंभीरता से लेते हुये जांच के लिये वापस भेज दिया था, उन्हें क्या पता था कि बांध भी बन जायेगा और मुआवजे का प्रकरण अटका रह जायेगा। किसानों की सहमति व ईच्छा से कोरिया जिले को एक मध्यम परियोजना के तौर पर गेज बांध मिला जो आज कितने किसानों के लिये सिंचाई का साधन तैयार हो गया। आज उसी किसानों के धैर्य व त्याग का फायदा उठा 2018 में भू-माफिआ व जनप्रतिनिधि सक्रिय होकर नया प्रकरण शुरू करा दिया, जिस प्रकरण में सिर्फ खामिंया ही दिख रही है। खामियां भी छोटी नहीं काफी बड़ी है बांध तो कई एकड़ की भूमियों में तैयार हो गया पर उसमें से डूबान क्षेत्र के 95 एकड़ की भूमि थी वह भूमि किसानों की निजी थी जिसे बांध के लिये किसानों ने सरकार को दे दिया और इसके एवज में सरकार ने उन्हें मुआवजा का आबंटन किया पर यह राशि हितग्राहियों को समय पर नहीं मिली और जब दुबारा प्रकरण तैयार कर मौजुदा प्रशासन, शासन को ही करोड़ो का चुना लगा रहा है। पूर्व में जमीन मुआवजा के लिये 95 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया गया था, जिसमें 39 एकड़ में 11 हितग्राहियों को 4 लाख 36 हजार 191 का मुआवजा वितरण हो गया था। जिसमें शेष 56 एकड़ भूमि के 38 हितग्राहियों को 6 लाख 27 हजार का शेष रकम बच गया था जो वर्तमान में बढ़कर यह अधिग्रहित भूमि 140 एकड़ हो गयी और 38 हितग्राहीयों की संख्या बढ़कर 61 हो गयी। वहीं 6 लाख 27 हजार की रकम बढ़कर 17.34 करोड़ हो गयी। रकम के अंतर राशि 278 गुणा हो गया, जिसे राशि में देखा जाये तो 17.27 करोड़ का ईजाफा हो गया। यह ईजाफा का वजह सिर्फ राजस्व के बड़ी लापरवाही है। इस बड़ी लापरवाही में यदि किसी को नुकसान हो रहा है तो सिर्फ शासन को, लापरवाही में जल संसाधन विभाग की भी मौन स्वीकृति से इंकार नहीं किया जा सकता।

क्या कोरिया गेज बांध मुआवजा मामले में हुआ बड़ा घोटाला?

1992 का प्रकरण कैसे हुआ खत्म?

अविभाजित मध्यप्रदेश के सरगुजा जिले के बैकुण्ठपुर के छरछा ग्राम में किसानों की भूमि की सिंचाई के लिये गेज नदी पर गेज बांध का निर्माण करने का प्रस्ताव 1991 में तैयार हुआ, जिसके लिए किसानों की भूमि अधिग्रहण करने की प्रक्रिया शुरू हो गई, यह प्रक्रिया 1992 में पूरी कर ली गयी। उस समय इस बांध को बनाने के लिये किसानों की 95 एकड भूमि का अधिक्रहण किया गया। अधिग्रहण की भूमि में 49 हितग्राहीयों के नाम शामिल थे जिन्हें तकरीबन 10.66 लाख भुगतान होना था जो तत्कालिन समस्याओं की वजह से अधिकारीयों ने यह कार्य समय पर पूरा नहीं कर पाया और यह प्रकरण 26 साल ठंडे बस्ते में पड़ा रहा और जब शासन-प्रशासन जागी तो इस प्रकरण को आगे बढ़ोने की बजाये नया प्रकरण शुरू कर दिया, इस 26 सालों में क्या भाजपा क्या कांग्रेस सभी आये और गये पर किसानों के अधिग्रहण के पैसो की चिंता किसी ने नहीं की। किसान भी एक समय के लिये इस पैसों को भूल बैठे थे पर कुछ जनप्रतिनिधि अपने निजी लाभ और अधिकारियों को प्रलोभन देकर मामले को 2018 में कुछ भू-माफिआयों के साथ मिलकर प्रकरण शुरू कराया पर सवाल यह है कि पुराने प्रकरण को दफ्न कर नया प्रकरण क्यों शुरू किया गया?

बैंक मैनेजर की भूमिका भी संदिग्ध,आखिर क्यों मुआवजे की राशि उन्हीं के बैंक से हो रहा भुगतान?

गेज बांध का मुआवजा आईसीआसीआई बैंक के माध्यम से वितरण कराने की बात सामने आ रही है,पूरे मामले में आई सी आई सी आई बैंक मैनेजर की भूमिका भी संदिग्ध है क्योंकि मुआवजे की राशि उन्ही के बैंक के माध्यम से भुगतान किया जा रहा है अन्य बैंक से नहीं। माना जा रहा है की कमीशन का खेल वहीं से हो रहा है और सबकुछ पहले से ही तय है। और यह भी तय है की भुगतान किस बैंक के माध्यम से किया जाएगा।

गेज बांध मुआवजा घोटाला मामले में शिकायत के एक साल बाद शिकायतकर्ता व भ्रष्टाचार को उजागर करने का दावा करने वाले क्यों चुप?

पूरे मामले में यह भी प्रश्न खड़ा हो रहा है की एक वर्ष पूर्व जो लोग शिकायतकर्ता बनकर गेज बांध मुआवजा मामले में घोटाले की बात कर रहे थे और जो लोग घोटाला उजागर करने की बात कर रहे थे वह क्यों चुप हो गए। बताया जा रहा है की एक वर्ष पूर्व के शिकायतकर्ता ही पूरे मामले में संलिप्त होकर मुआवजा भुगतान करवा रहे हैं और कमीशन ले रहे हैं।

कब्जे धारी को बिना दस्तावेज के कैसे मिल रहा मुआवजा?

1992 में रकबा व खसरा नं के साथ भूमि अधिग्रहण की जानकारी स्पष्ट रूप से प्रकाशित कर दी गयी थी, जिसकी जानकारी मौजुदा विभाग के पास मौजुद है फिर भी 2018 में नया कब्जेदार का नाम कैसे और किस आदेश के तहत आ गया और मुआवजे पाने का अधिकार कैसे उसे मिल गया। बिना दस्तावेज के प्रशासन क्यों पुराने मुआवजे सूची को विलोपित कर नयी सूची में नाम शामिल कर दिया। जबकि जमीन डूबान क्षेत्र की है तो फिर डुबान क्षेत्र की जमीन पर कब्जा कैसे? यह अति सूक्ष्मता से जांच का विषय है।

सहमति पत्र में रकबा और खसरा नंम्बर निरंक क्यों?

सहमति पत्र में भी राजस्व विभाग का बड़ा खेल हुआ है दस्तावेजों का अवलोकन करने से हितग्राहियों व कब्जाधारीयों के सहमति पत्र में नाम व हस्ताक्षर तो मौजुद है पर रकबा व खसरा का विवरण निरंक क्यों है। जब हितग्राही सहमति पत्र में हस्ताक्षर कर रहा है तो उसे यह जानने का अधिकार नहीं कि उसे किस रकबे व खसरा नं0 भूमि के लिये सहमति दे रहा है। यह भी एक जांच का विषय है पर शायद ही विभाग इसकी जांच कर पाये।

प्रकशित ईश्तहार में नाम क्यों नहीं?

1992 में जब भूमि अधिग्रहण संबधित प्रकरण का प्रकाशन समाचार पत्रों में कराया था, उसमें सारे जानकारीयां हितग्राहियों के लिये स्पष्ट तौर पर मौजुद था, जबकि देखा जाये तो उस समय सूचना व सम्पर्क की इतनी व्यवस्था नहीं रही। इसके बाद भी तत्कालीन जिम्मेदारों ने बड़ी ईमानदारी से यह कार्य कराया था। पर वहीं 2018 में इसी प्रकरण को दोबारा नया प्रकरण बनाकर इसे प्रारंभ किया गया तो इस प्रकरण में कई अनिमियता देखा जा रहा है, अखबारों में इसकी सूचना प्रसारित की जाती है तो हितग्राहियों का नाम व उसके पिता का नाम या फिर कब्जेदारों का नाम निरंक करके प्रसारित करायी जाती है जो कहीं न कहीं घोटाले को व्यापक तौर पर करना दर्शाता है और जानकारी छुपाने का संदेह भी प्रकट होता है।

मुआवजे मिले हुये जमीन का दुबारा मुआवजा क्यों?

1992 में प्रश्नकिंत भूमि का मुआवाजा जिस हितग्राहियों को मिल गया, उसी जमीन का मुआवजा फिर से 2022 में किसके कहने प्रस्तावित किया गया। उदाहरण स्वरूप दस्तावेज का आंकलन करने से पता चला कि 1992 में भूस्वामी हृदयलाल पिता मनरूप खसरा नं. 570/36 का रकबा 1.214 हे0 भूमि का मुआवजा राशि 33 हजार 807 रूपये मिल गया था पर इसी भूमि में वर्तमान में हृदयलाल कब्जाधारी बन गये और भूस्वामी सगीरनिशा पिता मो. ईषाक भू स्वामी बन गये और मुआवजा सूची में नाम आ गया और जो रकबा था वह वर्तमान में बढ़कर 2.426 हे0 हो गया जिसकी मुआवजा राशि 75 लाख 43 हजार बनायी गयी है। जबकि उक्त भूमि का 1992 में यह मुआवजा मिल गया था अब जो पैसा मिल रहा है वह हितग्राही के लिये उपहार स्वरूप है पर यह उपहार शासन क्यों दे रही है यह शासन पर बड़ा सवाल है।

अधिग्रहण के बाद कब्जा क्यों जबकि डुबान क्षेत्र का कब्जा नहीं किया जा सकता

जानकारों का मानना है कि एक बार यदि अधिग्रहण हो गयी और इसकी सूचना प्रसारित हो गयी तो इस भूमि बंटवारा, कब्जा यहां तक कि खरीदी-बिक्री नहीं हो सकता क्योंकि इस तरह की भूमि पर स्थगन आदेष जारी रहता है। इसके बावजुद यदि इसमें कोई राजस्व के जिम्मेदार छेड़छाड़ करते है तो उन्हें अपराधी न मानकर पदोन्नत कर दिया जाता है।

बिना भौतिक सत्यापन के 21 हितग्राहियों को मुआवजा राशि देने का मामला

21 हितग्राहियों में 4 करोड़ 75 लाख की राशि तो बंट गयी सवाल यह है कि जब यह पूरा मामले ही संदेह के घेरे में है तो राशि के भुगतान करने में प्रशासन ने इतनी हड़बड़ी क्यों दिखायी। हांलाकि राशि हितग्राहियों में बंटा पर इसमें भी एक गड़बड़ी दिखी जो हल्का पटवारी बिना भौतिक सत्यापन की चेक का वितरण करते हुये राशि दे दी गयी। बहरहाल इस पूरे मामले में भारी भ्रष्टाचार की बू आ रही है, इतना बड़ा खेल प्रशासनिक अधिकारियों के हस्तक्षेप के बिना संभवन नही है,राजस्व विभाग के निचले स्तर के कर्मचारी से लेकर बड़े अधिकारी भी इस पूरे मामले से अंजान नही है और उनक संरक्षण में ही यह पूरा कारनामा किया जा रहा है। कोरिया जिले के प्रशासनिक प्रमुख को चाहिए कि वे उक्त गंभीर मसले पर संज्ञान लेते हुए पूरे मामले की सूक्ष्मता से जांच कराये जिससे कि एक बड़े भ्रष्टाचार पर रोक लग सके और इसके साथ ही दोषियों का चिन्हांकन कर उनके खिलाफ भी कड़ी कार्यवाही का प्रावधान किया जाए।

अंत में मामले से जुड़े कुछ सवाल

सवालः गेज बांध मुआवजा घोटाले में राजस्व या जल संसाधन विभाग इनमे से किसका हो सकता है हाथ?

सवालः 1992 में 95 एकड़ भूमि का 49 हितग्राहियों में मिलना था 10.63 लाख मुआवजा राशी, फिर 2022 में भूमि 140 एकड़ व मुआवजा राशी 17.34 करोड़ कैसे हो गई?

सवालः गेज बांध मुआवजे की गडबड़ी मामले में आखिर प्रशासन बिना जांच पूरा किए कैसे वितरण करने लगा मुआवजा राशि?

सवालः अविभाजित मध्यप्रदेश का 1992 का मुआवजा सूची सही या वर्तमान 2022 का मुआवजा सूची सही?

सवालः 1992 की मुआवजा सूची को प्रशासन क्यों नहीं दे रहा तवज्जो,नये सूची पर भरोसा क्यों?

सवालः तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी पर गड़बड़ी का लग रहा आरोप,आखिर कौन करेगा इसकी जांच?

सवालः मुआवजा गड़बड़ी मामले में एसपी, कलेक्टर सहित कई जनप्रतिनिधियों से शिकायत क्या होगी इसकी जांच?

भूपेश सरकार में हुआ एतिहासिक घोटालाःहितेश

- पटना बजार में भाजयुमो ने किया नुक्कड़ सभा

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर, 11 जून 2023 (घटती-घटना)।

भाजयुमो प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर जिलाध्यक्ष हितेश प्रताप सिंह व मण्डल अध्यक्ष प्रविंद सिंह के नेतृत्व में भाजयुमो पटना मण्डल द्वारा प्रदेश में हुए पीएससी घोटाला, शराब घोटाला व प्रधानमंत्री आवास योजना में बाधा उत्पन्न करने तथा भष्ट्राचार के विरोध में पटना के बाजार में नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य रूप से भाजपा जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण राजवाड़े, मण्डल अध्यक्ष कपिल जायसवाल भाजयुमो उपाध्यक्ष सचिदानंद द्विवेदी महामंत्री कुनाल जायसवाल उपस्थित रहे।

जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष हितेश प्रताप सिंह ने बताया कि प्रदेश में भूपेश सरकार के संरक्षण में लगातार भष्ट्राचार, अपराध में बढ़ोतरी, घोटाला व विकास कार्य ठप हो गई है, हितेश सिंह ने कहा कि कुछ दिनों पूर्व सभी ने देखा कि पीएससी भर्ती में कैसे बड़े बड़े नेताओं अधिकारियों कारोबारियों के संबंधित लोगों का नाम उजागर हुआ. शराब बंदी का वादा करने वाली भूपेश सरकार में दो हजार करोड़ के बड़े शराब घोटाले का पर्दाफाश हुआ, तथा पिछले साढ़े चार सालों से कांग्रेस सरकार बनने के बाद से प्रधानमंत्री आवास योजना पर प्रदेश में ग्रहण लग गया है भूपेश सरकार ने गरीबों के शिर से छत छिनकर उन्हें योजनाओं से वंचित रखने का काम किया है, जिलाध्यक्ष हितेश ने कहा कि जबसे कांग्रेस सरकार छत्तीसगढ़ में बनी है शांत प्रदेश आंतकगढ़ बन गया है रोज चोरी डकैती हत्या की खबर आती है भूपेश सरकार ने भष्ट्राचार का आयाम स्थापित कर दिया है छत्तीसगढ़ में भूपेश सरकार के नेतृत्व में एतिहासिक घोटाला हुआ है चार महीने के बाद इनके कर्मों का हिसाब छत्तीसगढ़ की जनता करेगी और युवाओं के सहयोग से प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी। कार्यक्रम के दौरान सोशल मडिया प्रभारी चंदन राजवाड़े, राजू सिंह श्याम, भाजयुमो जिला कार्यस्मित सदस्य शरद सिंह निलेश तिवारी उपाध्यक्ष, संतोष सिंह महामंत्री, जय कुमार रजवाड़े मंत्री, रवि प्रजापति प्रचार प्रसार प्रमुख, सचिन सिंह आईटी सेल, संदीप रजवाड़े सदस्य, राजेश सोनवानी, मुकेश सिंह, दीपक सिंह, विनोद देवागन आईटी सेल भाजपा, संतोष पैकरा, संत देवागान, राजू सिंह, नरेंद्र कुमार रजवाड़े, राम लखन यादव महामंत्री भाजपा मण्डल, सचिदा नंद द्विवेदी, गणेश यादव सोसल मीडिया भाजपा।

हौसलों की उड़ान से सपना हुआ साकार...स्टेट टॉपर सुनीता और प्रिया ने लिया हेलीकॉप्टर जॉयराइड का आनंद

- संवाददाता -
मनेंद्रगढ़, 11 जून 2023 (घटती-घटना)।

रायपुर में आज बोर्ड परीक्षा में टॉप करने वाले प्रतिभाशाली छात्रों ने ऊंची उड़ान भरी। भरतपुर-सोनहत विधायक श्री गुलाब कमरो ने शिक्षामंत्री डॉ. प्रेमसाय टेकाम के साथ हरी झंडी दिखाकर हेलिकॉप्टर को रवाना किया। एमसीबी ज़िले के भरतपुर विकासखंड से कु.सुनीता बैगा और मनेंद्रगढ़ विकासखंड से कु.प्रिया रोहरा शामिल हुई।

विशेष पिछड़ी जनजाति की सुनीता बैगा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट इंग्लिश मीडियम स्कूल भरतपुर में कक्षा 12 वीं मेरिट सूची में उत्तीर्ण की हैं और भविष्य में डॉक्टर बनना चाहती हैं। हेलीकॉप्टर जॉयराइड को लेकर अपने अनुभव में सुनीता ने बताया कि मैं आज रातभर सो नहीं पाई, बार-बार घड़ी देख रही थी, कब सुबह होगी और कब मैं हेलीकॉप्टर में बैठूंगी। आखिरकार मैं हेलीकॉप्टर में बैठी और बहुत मजा आया। मेरे परिवार के कोई भी सदस्य आज तक हेलीकॉप्टर में नहीं बैठे हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हमें हेलीकॉप्टर में घूमने का मौका दिया इसके लिए मैं उनको बहुत बहुत धन्यवाद देती हूँ। विजय इंग्लिश मीडियम स्कूल मनेन्द्रगढ़ की कक्षा 12 वीं की छात्रा प्रिया रोहरा ने हेलीकॉप्टर जॉयराइड के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि छोटे से शहर से आकर यहाँ हेलीकॉप्टर में बैठना किसी सपने से कम नही है। हेलीकॉप्टर जॉयराइड मिलने से मैं बहुत खुश हूँ। उल्लेखनीय है कि नवगठित मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर से प्रावीण्य सूची में स्थान बनाने वाले दो छात्रा मुख्यमंत्री के द्वारा आयोजित हेलीकॉप्टर जॉयराइड में पहुँचे। एमसीबी से प्रिया रोहरा और सुनीता बैगा ने रायपुर में जॉयराइड का आनंद लिया। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर कलेक्टर श्री नरेंद्र कुमार दुग्गा, प्रिया और सुनीता का उत्साहवर्धन करने के लिए रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित थे। उन्होंने दोनों छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी।

रोजगार सहायक पर मेहरवानी किसकी..क्यों जनपद सीईओ कार्यवाही कर पाने में बेबस दिख रहे?

- मनेंद्रगढ़ जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी निष्पक्ष कार्यवाही में क्यों कतरा?

-रवि सिंह-
मनेंद्रगढ़, 11 जून 2023 (घटती-घटना)।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी एमसीबी जिला अध्यक्ष केवल सिंह मरकाम ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा दिनांक 27/04/2023 उप सरपंच, ग्राम पंचायत साल्ही के द्वारा रोजगार सहायक बैजनाथ सिंह के विरूद्ध कई बार कार्यवाही होने के बाद भी लंबे समय से एक स्थान पर पदस्थ रहने के कारण एक सप्ताह के भीतर हटाया जाने हेतु विवश होकर घेराव, चक्काजाम धरना किया जाएगा। के संबंध में दिनांक10/05/2023 मनेंद्रगढ़ जनपद पंचायत कार्यालय से एक पत्र जारी किया गया था!

जिसमें पंचायत साल्ही विषयांतर्गत 12/05/2023 को ग्राम पंचायत भवन साल्ही में जांच हेतु सभी को बुलाया गया था। किन्तु 10 पंचों क विरूद्ध मात्रा 03 पंच उपसरपंच सहित उपस्थित हुए शेष अन्य पंच अनुपस्थित रहें एवं उपसरपंच के द्वारा सूचना विलम्ब से मिलने एवं सरपंच के रिश्तेदारों के समक्ष बयान दर्ज कराने के संबंध में लिखित आपत्ति दर्ज कराई गई है। पुनः दिनांक 18/05/2023, दिन- गुरूवार समय - प्रातः 11ः00 बजे पुनः कार्यालय भवन ग्राम पंचायत साल्ही में उपस्थित होने हेतु सचिव ग्राम पंचायत साल्ही सरपंच, उपसरपंच समस्त पंचगण एवं रोजगार सहायक को व्यक्तिगत सूचित कर उपस्थित हुए जिससे उक्त जांच के संबंध में पृथक-पृथक बयान लिया गया जा सके। बयान कार्रवाई 18/05/2023 को हो गया जिसकी विवेचना अधिकारियों से बात करने पर जानकारी मिली आदेश हमारे पक्ष में हो गया है। जनपद पंचायत अधिकारी सीईओ हस्ताक्षर होना है। हस्ताक्षर करने में क्यों विलंब कर रहे हैं। लगता है प्रशासन में सी ई ओ का किसी का दबाव है अगर ऐसा है। वे खुलकर बोले भ्रष्टाचारियों को बचाने का प्रयास न करें आज दिनांक 08/06/2023 समय 2-3ः00 बजे के बीच मुख्य कार्यपालन अधिकारी से मुलाकात हुई। सामने आज 5ः00 बजे का समय दिया गया था आपको आदेश 5ः00 बजे शाम को मोबाइल में भेज दिया जाएगा, दिनांक 09/06/2023 दिन समय 12ः00 जनपद मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने हमसे कहा आज आदेश जारी कर दिया जाएगा। लेकिन प्रेस मीडिया आनंद शर्मा द्वारा गत दिवस जनपद सीईओ महोदय से बात हुई तो उनका कहना है। अभी इसमें समय लगेगा मैं प्रेस मीडिया के माध्यम से शासन-प्रशासन तक बात पहुंचा रहा हूं। जनपद पंचायत अधिकारी निष्पक्ष कार्यवाही करने में बाधा उत्पन्न हो रहा है। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने फैसला कर ही लिया था। जनपद कार्यालय का घेराव किया जाएगा। मनेंद्रगढ़ नगर अध्यक्ष आनंद शर्मा ने कहा जनपद पंचायत घेराव की जरूरत नहीं है। पार्टी तीन बिंदुओं पर ज्ञापन सौंपेंगे आनंद शर्मा गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की ओर से भूख हड़ताल धरना में बैठने का निर्णय लिया है एमसीबी जिला सभी कार्यकर्ताओं के साथ रहेंगे सोमवार को कलेक्टर महोदय को ज्ञापन सौंप भूख हड़ताल धरना प्रदर्शन का का प्रारूप बनाया जाएगा।

कटघोरा वन विभाग ने साल के लकड़ी से लदे ट्रक को किया जब्त

- संवाददाता -
कोरबा, 11 जून 2023 (घटती-घटना)।

कटघोरा वन मंडल के जंगलों से बड़े पैमाने पर कोयला, लकड़ी व रेत की तस्करी हो रही है और वन विभाग का अमला गहरी नींद में सो रहा है। कुछ मामलों में विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मिलीभगत सामने आ रही है जिसपर विभागीय दंडात्मक कार्रवाई भी की है इसके बावजूद भी व्यवस्था में कोई सुधार नही हो रहा और जंगल में तस्करी का खेल जारी है। शनिवार को एक बार फिर ट्रक के जरिए कीमती लकड़ी साल के तस्करी की कोशिश की गई जिसे कर्मचारियों की सक्रियता से विफल कर दिया गया । वन विभाग ने साल के लकड़ी से लदे ट्रक को पकड़कर पीओआर काटने के साथ ही आगे की जांच शुरू कर दी है।फिलहाल लकड़ी के अवैध परिवहन का मामला बनाया गया है लेकिन अधिकारियों के मुताबिक जांच पड़ताल में और भी तथ्य उजागर होने की संभावना है जिसके तहत राजसात भी किया जा सकता है। मिली जानकारी के अनुसार कटघोरा वन मंडल के जटगा रेंज अंतर्गत सुर्तरा बीट के जंगल में सिंघिया के निकट वन विभाग के कर्मचारियों को एक अशोक लेलैंड का ट्रक दिखाई दिया जिसमें साल का कीमती लकड़ी लदा हुआ था। जब वन कर्मियों ने इसके ड्राइवर से पूछ- ताछ की और ट्रक में लदे लकड़ी तथा इसके परिवहन के संबंध में कागजात दिखाने को कहा तो ड्राइवर ने पेश नही कर सका । लेकिन पूछताछ में उस ने यह बताया कि लकड़ी किसी राजेश साहू नामक व्यक्ति की है जो इसी क्षेत्र के एक गांव में निवास करते है लकड़ी उनकी निजी है जिसे परिवहन कर सरगुजा ले जाना है। वन विभाग के कर्मियों ने मामला संदिग्ध मानते हुए तत्काल ट्रक को पकड़कर जटगा रेंज कार्यालय ले आया और ट्रक चालक के खिलाफ लकड़ी का अवैध परिवहन का मामला दर्ज कर भारतीय वन अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। वन विभाग के अधिकारियों ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि ट्रक को जब्त कर आगे जांच जारी है जांच के दौरान ठोस तथ्य मिलने पर वाहन को राजसात किया जाएगा एवं लकड़ी मालिक के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। डीएफओ प्रेमलता यादव एवं उड़नदस्ता बिलासपुर की टीम ने शनिवार को स्थल का किया निरीक्षण और क्षेत्र के ग्रामीणों से मिलकर आवश्यक जानकारी ली। उनसे कहा गया कि किसी भी हालत में तस्करो का साथ न दे क्षेत्र में अवैध गतिविधियों की जानकारी होने पर तत्काल वन अफसरों को सूचित करें।

एसडीएम कटघोरा ने टीम के साथ पेट्रोल-डीजल की चोरी पर की छापेमार कार्यवाही

- संवाददाता -
कोरबा, 11 जून 2023 (घटती-घटना)।

कोरबा जिले के गोपालपुर स्थित इंडियन कारपोरेशन डिपो इन दिनों काफी चर्चा में रहा है। आए दिन इस क्षेत्र में डीजल और पेट्रोल चोरी की चर्चाएं सुनने को मिलती रही है पर अब तक किसी प्रकार की कार्यवाही नही हुए थी । लोगों में चर्चाएं भी थी की इन क्षेत्रों में कुछ लोग सिंडिकेट बनाकर मैनेज करते हुए डीजल पेट्रोल चोरी को अंजाम दे रहे हैं । ऐसे ही दिनदहाड़े हो रही डीजल पेट्रोल चोरी की सूचना मिलने पर एसडीएम कटघोरा ने टीम लेकर छापामार कार्रवाई की । इस तरह की चोरी पिछले कई दिनों से यहां चल चल रहा था । सूत्रों के अनुसार कोरबा जिले के गोपालपुर स्थित इंडियन आयल कारपोरेशन डिपो के सामने एक यार्ड में छापा मारा गया । एसडीएम कटघोरा ने फूड इंस्पेक्टर और अन्य लोगों के साथ छापा मारकर 400 लीटर से अधिक डीजल पेट्रोल को जब्त किया । प्रशासन को संदेह है कि यहां रखा डीजल पेट्रोल उन टैंकरों से खरीदा जाता है जो इंडियन आयल कारपोरेशन के डिपो से पेट्रोलियम पदार्थ भरकर उन्हें गंतव्य तक पहुंचाने के लिए रवाना होते हैं । सूत्रों कहना है के कुछ टैंकर भी जप्त किए गए हैं। अब प्रश्न यह है के इस तरह की चोरी को अंजाम दे कौन रहा है के स्थानीय लोगों में जानकारी होने के बावजूद कार्यवाही नही हो रही थी।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने केंद्रीय मंत्री कुलस्ते से भेंट कर विभिन्न समस्याओं एवं मुद्दों पर की चर्चा

- संवाददाता -
कोरबा, 11 जून 2023 (घटती-घटना)।

एनटीपीसी कावेरी रेस्ट हाऊस में माननीय केंद्रीय इस्पात राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते से सौजन्य मुलाकात कर भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ राजीव सिंह के नेतृत्व में बाल्को के विभिन्न मुद्दों जैसे बाल्को में एल्युमिनियम का बड़ा प्रोजेक्ट आने के बाद भी स्थानीय लोगों की उपेक्षा किया जाना एवं लगातार बाहरी ठेका श्रमिकों की भर्ती किया जाना जिसे तत्काल बन्द कर स्थानीय लोगों की भर्ती किया जाए साथ ही साथ स्थानीय ठेका श्रमिको को भी काम में नही लिया जा रहा है इसे बंद कर स्थानीय लोगो को प्राथमिकता दे । बाल्को में अधिकारियों एवं कर्मचारियों का लगातार शोषण हो रहा है उसे तत्काल बंद करें । बाल्को में राखड़ एवं प्रदुषण संबधी समस्या को लेकर माननीय केंद्रीय मंत्री को ज्ञापन दिया गया जिसपर केंद्रीय मंत्री जी कठोर कार्यवाही का अस्वाशन दिया है। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ राजीव सिंह, जिला महामंत्री संतोष देवांगन, जिला उपाध्यक्ष आलोक सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य/पार्षद लोकेश चौहान, भाजपा के वरिष्ठ नेता श्याम लाल मरावी, प्रदेश सदस्य आईटी सेल लक्की नंदा, जिला संयोजक आईटी सेल अजय चंद्रा, दर्री मंडल अध्यक्ष ईश्वर साहू, पार्षद गोलू पांडेय, कोसाबाड़ी मंडल अध्यक्ष अजय विश्वकर्मा के साथ-साथ भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डॉ.हिमांशु खुटिया ने मरीज के लाइलाज हो चुके पैर को बिना ऑपरेशन किया ठीक

- संवाददाता -
कोरबा, 11 जून 2023 (घटती-घटना)।

जाको राखे साइयां, मार सके न कोय का यह कहावत बिल्कुल साबित हुई बैकुंठपुर जिले कुंडली गाँव के जयराम गुप्ता के लिए। जी हाँ दरअसल बैकुंठपुर जिले ग्राम कुंडली निवासी जयराम गुप्ता पिता गंगाराम गुप्ता सन 2022 में एक दुर्घटना जलने में उनके पैर में गंभीर चोट आई थी। जिसकी वजह से जयराम का एक पैर पूरी तरह काम करना बंद कर दिया और वह काफी दिनों तक बैकुंठपुर के एक अस्पताल में भर्ती भी रहा। जहां शुरू में तो डॉक्टरों ने उनके पैर को काटने की सलाह दी। जयराम गुप्ता व उसका परिवार काफी हताश हो चुके थे। जयराम गुप्ता की रिश्तेदारी कटघोरा में थी जहां उनके दामाद दिलीप कुमार गुप्ता ग्राम धवईपुर निवासी है उन्होंने जयराम गुप्ता कप कटघोरा आकर एक बार कटघोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आकर अपने पैर को डॉ हिमांशु खुटिया जो कि अस्थि रोग विशेषज्ञ है उन्हें दिखाने की बात कही। जयराम गुप्ता कटघोरा आकर अपने दामाद दिलीप के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य

केंद्र में पदस्थ अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ हिमांशु खुटिया के पास गए। जहां डॉ हिमांशु खुटिया ने उनके जले हुए पैर की जांच की और उनका ईलाज प्रारम्भ किया। पिछले दो माह से डॉ हिमांशु खुटिया द्वारा जयराम गुप्ता के जले हुए पैर का दवाइयों से ईलाज प्रारम्भ किया जिसका असर इस तरह हुआ कि जयराम गुप्ता के जले हुए पैर के घाव में काफी असर हुआ और काम करना बंद कर चुके पैर में काफी हद तक जान आ गई और जला हुआ घाव इस तरह से भरा की डॉ हिमांशु खुटिया ने बताया कि पहले तो ऑपरेशन के आसार दिख रहे थे लेकिन अब ऑपरेशन की आवश्यकता नही है सिर्फ दवा के माध्यम से आधा ठीक हो गया है । मामूली ऑपरेशन से कवर स्किन ड्राफ्टिंग कर जले हुए घाव को पूरी तरह ठीक किया जाएगा।कटघोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ अस्थिरोग विशेषज्ञ डॉ हिमांशु खुटिया के द्वारा लगातार आसपास के जटिल अस्थि रोग से पीड़ित मरीजों को लाभ पहुंचा रहे हैं। डॉ हिमांशु खुटिया द्वारा अस्थि संबंधित रोगों के सफल इलाज से कटघोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र क्षेत्र जिले में अपनी प्रसिद्धि बनाने में अग्रसर है।

भाजपा युवा मोर्चा ने सीजीपीएससी-21 के परिणाम में हुए भ्रष्टाचार को लेकर जताया विरोध

- संवाददाता -
कोरबा, 11 जून 2023 (घटती-घटना)।

जिले के भाजपा कार्यलय में भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष राजेश बेहरा ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए जानकारी दी की प्रदेश में पिछ्ले दिनों छत्तीसगढ़ राज्य लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा परीक्षा 21 का परिणाम जो जारी किया गया वह अत्यंत आश्चर्यजनक एवं चिंताजनक रहा जिसके चलते काफी विवाद भी हुआ क्योंकि इस बार आए परिणाम में 01 से 20 तक अव्वल आने वाले उत्तीर्ण छात्र वो हैं जो किसी न किसी बड़े ओहदे में बैठे नेता या प्रमुख अधिकारियों के बच्चे या रिश्तेदार है जो संदेह की स्थिति उत्पन्न करता है द्य उन्होने बताया के जिस छात्र का नाम प्रथम स्थान में है वह स्वयं आयोग के अध्यक्ष का पुत्र है, बिना उपनाम के शामिल किया गया है । वहीं इन 20 अव्वल बच्चों में से एक भी ऐसा अभ्यर्थी नही है जो सामान्य घर से आते हो , जिससे यह परिणाम आश्चर्यजनक हो जाता है जिसके लिए भाजपा युवा मोर्चा इस परिणाम का विरोध करते हुए प्रदेश सरकार से निष्पक्ष जांच की मांग करता है । उन्होने इस

दौरान यह भी जानकारी दी की छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग जैसे प्रतिष्ठित संस्था का कार्य प्रदेश में क्लास -2/3 के महत्वपूर्ण पदों पर भर्ती एवं नियुक्ति करता है परंतु वर्ष- 2022 में आयोग द्वारा सामान्य प्रशासन विभाग के भृत्य (लेवल -01) के 80 पदों पर भर्ती प्रक्रिया आयोग द्वारा करवाई जा रही है जो प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के प्रतिभावान युवाओं के साथ खेल खेला जा रहा है जिसका भारतीय युवा मोर्चा विरोध करता है साथ ही छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा परीक्षा-21 परिणाम को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दोबारा परीक्षा आयोजित करने की मांग करता है साथ ही उच्चस्तरीय जांच की मांग के साथ आयोग के सचिव और परीक्षा नियंत्रक को भी तत्काल निलंबित किए जाने की मांग करता है । यदी भारतीय जनता युवा मोर्चा की मांगों को पूरा नहीं किया जाता है तो युवा मोर्चा सदन से सड़क तक की लड़ाई लड़ने एवं उग्र आंदोलन के लिए बाध्य्य होगा । इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष डॉक्टर राजीव सिंह, महामंत्री श्री संतोष देवांगन साथ ही समस्त भाजपा पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

पद्मश्री माता राजमोहिनी की कर्मस्थली गोविंदपुर में भाजपा का लोकसभा स्तरीय सम्मेलन हुआ संपन्न

» **दोनों केंद्रीय मंत्रियों एवं भाजपा के दिग्गजों के साथ जनता ने भूपेश सरकार को उखाड़ फेंकने का लिया संकल्प**

- संवाददाता -
प्रतापपुर, 11 जून 2023 (घटती-घटना)।

मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने के उपलक्ष में पद्मश्री माता राजमोहिनी देवी की कर्मस्थली गोविंदपुर में भारतीय जनता पार्टी का लोकसभा स्तरीय सम्मेलन संपन्न हुआ।आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनावों के मद्देनजर आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री फग्गनसिंह फुलस्ते के साथ रेणुका सिंह, रामसवेक पैंकरा व सरगुजा सम्भाग के बड़े नेता शामिल हुए।कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेताओं ने माता राजमोहिनी द्वारा आदिवासी समाज को विकास की नई धारा से जोड़ने के लिए किए गए अविस्मरणीय कार्यों के लिए उन्हें नमन करते हुए मोदी सरकार के विकास कार्यों गौरवशाली उपलब्धियों को बताते हुए छत्तीसगढ़ में भूपेश सरकार की नाकामियों के खिलाफ एकजुट होकर भूपेश सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया कार्यक्रम के उपरांत आदिवासी पुरखौती सम्मान यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य पर हाईस्कूल मैदान में आयोजित कार्यक्रम का प्रारंभ माता राजमोहिनी के साथ पं दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छायाचित्र पर दीपप्रज्वलन और माल्यापर्ण के साथ हुई।अतिथियों के स्वागत के बाद स्वागत उद्बोधन सूरजपुर में भाजपा जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल ने दिया।उपस्थित कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह फुलस्ते ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी ने विकास की नई सोच के साथ छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया था बीस साल पहले मैं छत्तीसगढ़ आया था और अब आया हूँ,इस बीच काफी परिवर्तन आया है जिसका कारण रमन सिंह के पन्द्रह साल और मोदी सरकार के नौ साल हैं।शुरुआत में यहां कांग्रेस की अजित जोगी की और अब चार सालों से भूपेश बघेल की सरकार है भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के आदिवासियों की उपेक्षा की जनता को गुमराह करते हुए प्रदेश के विकास कार्यों को ठप कर दिया है अब समय आ गया है हम सबको मिलकर 2023 के विधानसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ के साथ 2024 में केंद्र में फिर से भाजपा की सरकार बनाना है और प्रदेश में अधूरे पड़े विकास कार्यों को फिर से आगे बढ़ाना है जिससे विकास का दौर फिर से लौटे।डॉ रमन सिंह की सरकार ने पन्द्रह सालों में जो किया वह इतिहास है,हर वर्ग का विकास हुआ था और छत्तीसगढ़ ने बुलंदियों को छुआ था।मोदी सरकार के नौ साल गौरवशाली हैं,अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का कद बढ़ा है,देश में स्वास्थ्य शिक्षा के साथ अन्य क्षेत्रों में अभूतपूर्व काम हुए हुए हैं।हमने ग़रीबों को आवास दिए लेकिन यहां की भूपेश सरकार 16 लाख मकान नहीं बनने दी,आप फिर से भाजपा की सरकार बनाइये,नवम्बर में होने वाले चुनाव में इस सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लीजिये,16 लाख गरीबों के मकान बनाने की जिम्मेदारी मेरी जो हमारा 2024 तक का लक्ष्य है।अपने उद्बोधन में वे भूपेश सरकार जमकर बरसने के साथ मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाते नजर आए।उन्होंने कहा कि 2014 में हमारी सरकार गरीबों के उत्थान और विकास के संकल्प के साथ बनी थी और हमने काम भी किये हैं अपने उद्बोधन में केंद्रीय मंत्री फुलस्ते ने कहा कि माता राजमोहिनी को जब पद्मश्री मिला तब केंद्र में हमारी पार्टी के साथ बीपी सिंह की सरकार थी।इतना ही नहीं मध्यप्रदेश में भी भाजपा की सरकार थी,यह इस बात का प्रमाण है कि भाजपा आदिवासी वर्ग का कितना सम्मान करती है और उन्हें आगे बढ़ाने काम करती है।।।सरगुजा सांसद व केंद्रीय राजमंत्री रेणुका सिंह ने कहा कि माता राजमोहिनी की इस पवित्र कर्मस्थली में हम मोदी सरकार के नौ सालों की उपलब्धियां बताने आये हैं।आपने आशीर्वाद दिया था तो पन्द्रह साल में भाजपा ने छत्तीसगढ़ को विकास की ऊंचाइयों तक पहुंचाया था।अब कांग्रेस की भूपेश सरकार में चोरी नहीं डकैती हो रही है और पूरा पैसा सोनिया राहुल और प्रियंका गांधी की जेब में जा रहा है।उन्होंने स्वयं के द्वारा कराए गए कार्यों की जानकारी देते हुए अम्बिकापुर से रायपुर तक दिन में इंटरसिटी रेल सहित अन्य रेलों के डीपीआर शीघ्र तैयार होने की जानकारी दी।उन्होंने सरगुजा संसदीय क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर्यक्रम होने व पचपन हजार करोड़ से ऊर्जा क्वारीडोर की शीघ्र घोषणा की जानकारी दी और मोदी सरकार की उपलब्धियां बताईं।पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैंकरा ने माता राजमोहिनी के कार्यों को याद करते हुए कहा कि वे हम सबके लिए प्रेरणा हैं।सरगुजा में नक्सल समस्या को याद करते हुए कहा कि अजित जोगी कहा करते थे कि ये हमारे और सताए हुए लोग हैं,इनके कारण कई जिंदगियां चली गईं लेकिन छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार बनते ही नक्सल समस्या समाप्त हुई।उन्होंने डॉ रमन सिंह और मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए भूपेश सरकार को घोटालों की सरकार कहा।सम्मेलन के प्रभारी अनुराग सिंह देव ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मोदी सरकार की उपब्धियाँ बताई और आने वाले चुनाव में छत्तीसगढ़ में फिर से भाजपा सरकार बनाने का आव्हान उपस्थित जनसमुदाय से किया।कार्यक्रम को डॉ.सीमा जिंदल ने भी सम्बोधित किया जिन्होंने माता राजमोहिनी पर पीएचडी की थी और किताब लिखी है।उन्होंने माता को देश में स्कूलों में पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग की,वहीं केंद्रीय मंत्री ने इनका सम्मान भी किया।कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को स्मृति चिन्ह के तौर पर माता राजमोहिनी के छायाचित्र भेंट किये गए।कार्यक्रम का संचालन मंडल अध्यक्ष अक्षय तिवारी,महामंत्री अवधेश पांडेय और आभार प्रदर्शन वाड्रफनगर अध्यक्ष पुरंजय मिश्रा ने किया।इस दौरान अजय गोयल अनुराग सिंह देव श्रीमती रजनी त्रिपाठी विजय नाथ सिंह श्रीमती परमेश्वरी राजवाड़े श्रीमती शकुंतला सिंह गौरीशंकर अग्रवाल ओम प्रकाश जयसवाल विनोद जयसवाल लवकेश पैकरा भाजपा जिला सूरजपुर सरगुजा बलरामपुर के जिला मंडल एवं सभी मोर्चा प्रकोष्ठों के पदाधिकारी क्षेत्र से आए भाजपा कार्यकर्ता एवं जनता उपस्थित थे।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के जांबाज कार्यकर्ताओं द्वारा रेवती से कार्यक्रम स्थल गोविंदपुर तक बाइक रैली के साथ केंद्रीय मंत्री का स्वागत एवं अगवानी किया गया । दोनों केंद्रीय मंत्रियों ने क्षेत्र के पूर्व विधायक पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा एवं जिला पदाधिकारियों के साथ प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की जन संघ के जमाने से अलख जगाने वाले भाजपा की पूंजी पुराने कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर दोपहर का भोजन किया एवं महत्वपूर्ण चर्चा करते हुए उन्हें सम्मानित किया।

क्षेत्र के सैकड़ों युवाओ ने कांग्रेसी छोड़कर किया भाजपा प्रवेश....

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के सैकड़ों युवाओं ने कांग्रेश छोड़कर भाजपा के कार्यशैली और विकास उन्मुख नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा की सदस्यता ली।इनमें सतीश पटेल, अनिल जायसवाल सहित अन्य शामिल हैं जिन्हें केंद्रीय मंत्री ने माला पहनाकर स्वागत किया।

आदिवासी पुरखौती सम्मान यात्रा को किया रवाना...

कार्यक्रम के दौरान केन्द्रीय राज्य मंत्री फग्गन सिंह फुलस्ते ने आदिवासी पुरखौती सम्मान यात्रा के लिए दो वाहनों में बने रथों को भाजपा का झंडा दिखा रवाना किया।यह रथ भाजपा ने निकाली है जो सम्भाग के पांच जिलों में गांव गांव तक जाएगी।रथ में जनजातीय समाज से जुड़े महान हस्तियों की फ़ोटो है तथा इनकी जानकारी वाली सामग्री है ताकि इन्हें देख जान आदिवासी समाज गौरव की अनुभूति कर सके।इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा के सभी नेता मौजूद थे।इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने जनजातीय गौरवों का इतिहास जिंदा करने का काम किया है और भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजतीय गौरव दिवस के रूप में मना रही है।

माता राजमोहिनी देवी के पुत्री रामबाई से मिलकर विकास कार्यों का दिया आश्वासन...

केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह फुलसते कार्यक्रम के उपरांत गोविंदपुर में माता राजमोहिनी के आश्रम गए और उनकी पुत्री रामबाई के साथ अन्य भक्तों से मिले।आश्रम के अध्यक्ष त्रिभुअन सिंह ने उन्हें आश्रम संचालन की जानकारी देते हुए सामुदायिक भवन निर्माण,आश्रम व रजमेलान में सौंदर्यीकरण व अन्य मांगें रखीं।केंद्रीय मंत्री ने पूरी जानकारी ली और विकास कार्य कराए जाने का आश्वासन दिया।इससे पहले सुबह केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह ने बीस लाख की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन का भूमिपूजन किया जिसकी घोषणा उन्होंने पूर्व में की थी।इस दौरान भाजपा के अन्य नेता व आश्रम से जुड़े लोग उपस्थित थे।

सड़क दुघर्टना में दो की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 11 जून 2023 (घटती-घटना)।

दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

जानकारी के अनुसार सूरजपुर जिले के ग्राम चंदरपुर पंडोपारा निवासी मोहर साय पिता राम अधीन 30 वर्ष के चचेरे भाई शिव राम ने बताया कि 9 जून की रात अज्ञात व्यक्ति के द्वारा फोन पर सूचना दिया गया की मोहर साय का ग्राम डुमरिया बैरियर के पास मेन रोड में एक्सीडेंट हो गया है जिसे 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल सूरजपुर ले जाया जा रहा है। सूचना पाकर परिजन सूरजपुर अस्पताल पहुंचे, जहां मोहर साय का उपचार किया जा रहा था। जहां प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लाया गया, जहां भर्ती कर उपचार के दौरान आज 11 जून को मोहर साय की मौत हो गई।

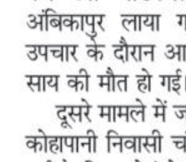

दूसरे मामले में जसपुर जिले के बगीचा कोहापानी निवासी चंदन पिता लोदंको 22 वर्ष के पिता लोदंको ने बताया कि 10 जून की रात ग्राम बांसाधार का सूर्या घर आकर बताया कि बेंदो झरिया पुलिया के पास मोटरसाइकिल से अनियंत्रित होकर गिर जाने से चंदन घायल हो गया है। सूचना पाकर परिजन तत्काल मौके पर पहुंचे, जहां चंदन गिरकर घायल पड़ा हुआ था, जिसे परिजन तत्काल निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बगीचा लेकर पहुंचे, जहां भर्ती कर उपचार के बाद रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लाकर भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान आज 11 जून को चंदन की मौत हो गई है।

डब्ल्यूटीसी चैंपियनशिप बनी ऑस्ट्रेलिया

» डब्ल्यूटीसी चैंपियन बनकर रचा इतिहास, 209 रन से हारा भारत

ऑलिव, 11 जून 2023। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023 में भारतीय टीम को 209 रनों से ऑस्ट्रेलिया की दमदार टीम ने मात दे दी है। भारतीय बल्लेबाज टेस्ट मुकाबले के अंतिम दिन आधे दिन भी मैच में नहीं टिक सके। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया पहली टीम बन गई है जिसके पास आईसीसी के सभी टूर्नामेंट जीतकर ट्रॉफी कब्जे में करने की उपलब्धि है। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने इतिहास रच दिया है।

लगातार दो बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलने वाली भारतीय टीम इस मुकाबले के अंतिम दिन अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। भारतीय टीम 10 वर्षों से आईसीसी की किसी ट्रॉफी पर कब्जा नहीं कर सकी है। वहीं इस हार के साथ भारत का सूखा और अधिक समय के लिए बढ़ गया है। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने लंदन के ओवल मैदान में फाइनल मुकाबला जीतकर इतिहास रच दिया है। ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली टीम है जिसने आसीसी वनडे वर्ल्ड कप, टी20 वर्ल्ड कप, चैंपियंस ट्रॉफी और अब विश्व टेस्ट चैंपियनशिप ट्रॉफी भी जीत ली है। आईसीसी की सभी ट्रॉफियों को जीतने वाली ऑस्ट्रेलिया दुनिया की पहली टीम है।

ऐसा रहा मुकाबला

भारत को दूसरी पारी में जीत हासिल करने के लिए 444 रनों का लक्ष्य मिला था, जिसे भारतीय टीम को पांचवे दिन हासिल करना था। वहीं अंतिम दिन टीम को सिर्फ 280 रनों की दरकार थी और भारतीय टीम के पास सात विकेट थे। मगर भारतीय बल्लेबाज काफी सस्ते में निपट गए और ऑस्ट्रेलिया मुकाबला जीतने के साथ टेस्ट चैंपियनशिप भी जीत गई।

ऐसे शुरु हुआ पांचवा दिन

पांचवे दिन का खेल शुरू होने पर भारतीय टीम के लिए क्रीज पर विराट कोहली और अजिंक्य रहाणे मौजूद थे। दोनों से उम्मीद थी की लंबे समय तक ये क्रीज पर रहे मगर ऐसा हो नहीं सका। विराट कोहली अपना अर्धशतक पूरा करने से एक रन पहले ही आउट हो गए। 47वें ओवर की तीसरी गेंद पर बोलैंड ने उन्हें शिकार बनाया। विराट ने ड्राइव लगाने का प्रयास किया और गेंद बल्ले के बाहरी किनारे से दूसरी स्लिप में मौजूद स्टीव स्मिथ ने शानदार कैच हासिल किया। कोहली ने 78 गेंदों में 7 चौकों की मदद से 49 रन बनाए। विराट और रहाणे के बीच चौथे विकेट के लिए 86 रनों की साझेदारी हुई।

विराट कोहली के बाद अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा भी कमाल नहीं कर सके और पवेलियन लौट गए। दो गेंद खेलकर बिना खाता खोले ही वो पवेलियन लौटे। वो एलेक्स कैरी के हाथों कैच थमा बैठे। इसी के साथ भारत की आधी टीम पवेलियन लौट गई और स्थिति काफी खराब हुई।

हालांकि क्रिज पर अजिंक्य रहाणे मौजूद थे उन्होंने पारी संभालने की कोशिश केएस भरत के साथ मिलकर की। हालांकि उनकी कोशिश लंबी नहीं चल सकी। वो 108 गेंदों में 46 रनों का स्कोर बनाकर आउट हुए। इसके बाद भारतीय टीम अपने आप को संभाल नहीं सकी और भारतीय बल्लेबाज लगातार ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने घुटने टेकते गए।

रोहन-सिक्की ने डेनमार्क मास्टर्स 2023 में मिश्रित युगल खिताब जीता

कोपेनहेगन, 11 जून 2023। भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी रोहन कपूर और सिक्की रेड्डी ने रविवार को डेनमार्क मास्टर्स 2023 का खिताब जीत लिया। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) मीडिया के अनुसार, रोहन और रेड्डी ने डेनमार्क के मैड्स वेस्टरगार्ड और क्रिस्टीन बुस्च पर सीधे गेम में 21-16, 21-17 से जीत दर्ज की। यह भारतीय जोड़ी का एक साथ तीसरा खिताब है। विशेष रूप से, भारतीय शटलर अश्मिता चालिहा और रवि ने क्रमशः महिला और पुरुष एकल स्पर्धाओं में मालदीव इंटरनेशनल चैलेंज खिताब जीता है।

भारतीय महिला एकल स्टार अश्मिता चालिहा ने शनिवार को मालदीव इंटरनेशनल चैलेंज 2023 में अखिल भारतीय फाइनल में हमवतन तसनीम मीर को 19-21, 21-17, 21-11 से हराया। ओपन इंडिया इंटरनेशनल और दुबई इंटरनेशनल में खिताब जीतने वाली अश्मिता की यह तीसरी बीडब्ल्यूएफ इंटरनेशनल चैलेंज जीत है।जबकि रवि ने मलेशिया के सूंग जू वेन को सीधे गेमों में 21-19, 21-18 से हराकर पुरुष एकल खिताब जीता।

दूसरी ओर, अश्विनी भट और शिखा गौतम की महिला युगल जोड़ी फाइनल में हार गई और फाइनल में 22-24,15-21 से हारकर उपविजेता रही।

तीसरी बार फ्रेंच ओपन चैम्पियन बनीं इगा स्विटेक

पेरिस, 11 जून 2023। टेनिस ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट फ्रेंच ओपन 2023 का महिला सिंगल्स का खिताब पोलैंड की इगा स्विटेक में जीत लिया है। इगा ने फाइनल मैच में चेक रिपब्लिक की कैरोलीना मुकोवा को 6-2, 5-7, 6-4 से हराकर तीसरी बार फ्रेंच ओपन खिताब अपने नाम किया।

दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी इगा स्वांटेक ने वर्ष 2020 में पहली बार फ्रेंच ओपन का खिताब जीता था। तब से 4 साल के अपने करियर में वो तीन बार (वर्ष 2022 और 2023) इस ग्रैंड स्लैम पर कब्जा जमा चुकी हैं। हालांकि ओवरऑल ग्रैंड स्लैम के तौर पर उनके नाम चार खिताब हैं। तीन बार फ्रेंच ओपन जीतने के अलावा उन्होंने एक बार वर्ष 2022 में यूएस ओपन का खिताब भी अपने नाम किया है।

अश्मिता, रवि ने मालदीव अंतरराष्ट्रीय चैलेंज का खिताब जीता

नयी दिल्ली, 11 जून 2023। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों अश्मिता चालिहा और रवि ने माले में विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करते हुए मालदीव अंतरराष्ट्रीय चैलेंज में क्रमशः महिला और पुरुष एकल के खिताब जीते। तीसरी वरीय अश्मिता ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए ऑल इंडियन महिला एकल फाइनल में हमवतन तस्नीम मीर को 19-21, 21-17, 21-11 से हराया। असम की खिलाड़ी का यह तीसरा बीडब्ल्यूएफ अंतरराष्ट्रीय चैलेंज खिताब है। उन्होंने इससे पहले टाटा ओपन इंडिया इंटरनेशनल और दुबई इंटरनेशनल का भी खिताब जीता है।

पुरुष एकल में गैरवरीय रवि ने मलेशिया के सातवें वरीय सूंग जू वेन को सीधे गेम में 21-19, 21-18 से हराकर खिताब अपने नाम किया। अश्विनी भट और शिखा गौतम की शीर्ष वरीय भारतीय महिला युगल जोड़ी को हालांकि लक्षिका कनलाहा और फटाइमास मुएनवोंग की थाईलैंड की जोड़ी के खिलाफ 22-24,15-21 की हार से उप विजेता बनकर संतोष करना पड़ा।

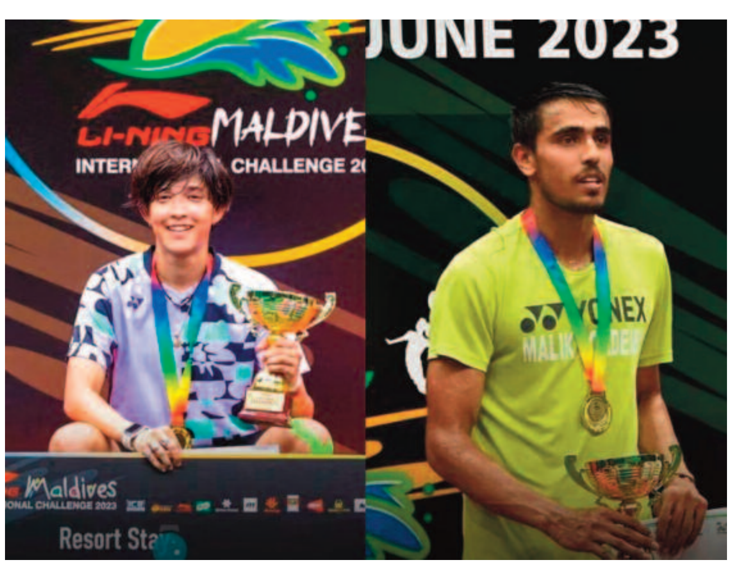

चार्ल्स ओलिवेरा ने राउंड 1 में बेनील दारीश को हराया

वैंकूवर, 11 जून 2023। ब्राजील के फाइटर चार्ल्स ओलिवेरा ने यूएफसी 289 में लाइटवेट श्रेणी के मैच में अमेरिकी फाइटर बेनील दारीश को हराया। यह मैच रविवार को वैंकूवर के रोजर्स एरिना में आयोजित किया गया था। ओलिविएरा ने दारीश की आठ-लड़ाई जीतने वाली लकीर को समाप्त कर दिया जब उसने 155 पाउंड में संभावित शीर्षक एलिमिनेटर में पहले दौर की तकनीकी नॉकआउट जीत हासिल की।

राउंड 1 में, दारीश लो किक के साथ पहले स्कोर करता है, लेकिन ओलिवेरा एक भारी हेड किक मारती है। दारीश हैरान है। दारीश एक हेड किक पर फिसल गया लेकिन सही ऊपर है। जकड़ना और एक लंबे संघर्ष के बाद, दारीश ओलिवेरा के ऊपर गिर जाता है। दारीश ऊपर से कुछ अच्छे मुक्के मारता है, लेकिन ओलिवेरा कुछ भी गिराना आसान नहीं बना रहा है। ओलिवेरा लेगलॉक के लिए जाता है, लेकिन ओलिवेरा आसानी से बच जाता है और शीर्ष लैंडिंग मुक्कों पर वापस आ जाता है। ओलिवेरा अंततः अपने पैरों पर वापस आ जाता है और दारीश को बाड़ की ओर धकेल देता है। जैसे ही वे अलग होते हैं, ओलिवेरा एक हेड किक मारता है। दारीश हड़बड़ा गया। ओलिवेरा घूंसे फेंकना जारी रखता है और दारीश करुम्पल्स। ओलिवेरा अनलोड करना जारी रखता है और थोड़ी देर के बाद दारीश कवर करने में असमर्थ होता है और रेफरी कदम उठाता है और ओलिवेरा विजेता होता है।

चार्ल्स ओलिवेरा को इस साल के अंत में इस्लाम मखाचेव के खिलाफ खिताबी मुकाबला मिल सकता है।

मैनचेस्टर सिटी ने इंटर मिलान को हराकर पहला चैंपियन्स लीग खिताब जीता

इस्तांबुल, 11 जून 2023। रोड्री के गोल की बदौलत मैनचेस्टर सिटी ने यहां इंटर मिलान को 1-0 से हराकर पहली बार चैंपियन्स लीग फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। स्पेन के रोड्री ने इस्तांबुल के अतातुर्क ओलिमपियाट स्टेडियम में मैच का एकमात्र गोल 68वें मिनट में किया और मैनचेस्टर सिटी को पहली बार यूरोपीय क्लब फुटबॉल का शीर्ष खिताब दिलाया। टीम के मैनेजर पेप गुआर्डियोला ने टीम की खिताबी जीत के बाद कहा, ''यह किस्मत में लिखा था। यह हमारा है।'' अबु धाबी के शेख मंसूर बिन जायेद अल नाहयान ने 15 साल पहले सिटी को रातों रात दुनिया के सबसे अमीर क्लबों की श्रेणी में शामिल कर दिया था लेकिन इसके बावजूद टीम को चैंपियन्स लीग का खिताब जीतने में लंबा समय लग गया।

गुआर्डियोला की टीम के लिए यह अंतिम मोर्चा था। टीम ने मौजूदा सत्र में प्रीमियर लीग और एफए कप के खिताब जीतने के बाद खिताबी हैट्रिक पूरी की। इस खिताबी जीत से गुआर्डियोला का सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ कोच का दावा भी मजबूत हुआ है। यह उनका तीसरा चैंपियन्स लीग खिताब और 30वां बड़ा खिताब है। गुआर्डियोला ने दूसरी बार सत्र में खिताबी हैट्रिक पूरी की है। इससे पहले 2009 में वह बार्सीलोना के साथ ऐसा कर चुके हैं। सिटी इस तरह इंग्लैंड का सिर्फ दूसरा क्लब बना जिसने एक ही सत्र में तीन बड़े खिताब जीते। मैनचेस्टर यूनाईटेड ने इससे पहले 2009 में यह कारनामा किया था। इंटर मिलान को हालांकि मुकाबले को अतिरिक्त समय में ले जाने का मौका मिला था लेकिन टीम इसका फायदा नहीं उठा सकी।

रकुल प्रीत सिंह की आई लव यू का ट्रेलर जारी, जियो सिनेमा पर रिलीज होगी फिल्म

रकुल प्रीत सिंह मौजूदा वक्त में अपनी फिल्म आई लव यू को लेकर चर्चा में हैं। इसमें उनकी जोड़ी पावेल गुलाटी के साथ बनी है। फिल्म में अक्षय ओबेरॉय भी हैं। अब निर्माताओं ने गुरुवार को आई लव यू का ट्रेलर रिलीज कर दिया है, जो सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर है। आई लव यू में पावेल एक जुनूनी प्रेमी की भूमिका निभा रहे हैं, जो रकुल के किरदार के प्यार में सारी हदें पार करने के लिए तैयार है। आई लव यू सिनेमाघरों को छोड़ सीधा ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज होगी। इस फिल्म का प्रीमियर 16 जून को किया जाएगा। फिल्म का निर्देशन निखिल महाजन द्वारा किया गया है। जियो सिनेमा ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर आई लव यू का ट्रेलर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, प्यार होगा तो सरप्राइज भी होंगे ही, लेकिन क्या होगा अगर वो आश्चर्य झटके में बदल जाए। इसके अलावा रकुल अयलान और इंडियन 2 में नजर आएंगी।

2018 बनी 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली पहली मलयालम फिल्म

2018: एवरीवन इज ए हीरो को रिलीज हुए 1 महीने से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन फिल्म का अभी भी शानदार प्रदर्शन जारी है। फिल्म 5 मई को दर्शकों के बीच आई थी और इसे शुरुआत से टिकट खिड़की पर भरपूर प्यार मिल रहा है। अब रिलीज के 34वें दिन 2018 ने दुनियाभर में 200 करोड़ रुपये का आंकाड़ पार कर लिया है, जिसके बाद यह मलयालम इंडस्ट्री की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस ने इंस्टाग्राम पर 2018 का पोस्टर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, दुनियाभर में 200 करोड़ रुपये का बिजनेस करने वाली पहली मलयालम फिल्म। सभी लोगों का शुक्रिया। 12 करोड़ की लागत में बनी फिल्म 2018 का निर्देशन ज्यूड एंथनी जोसेफ ने किया है। इसमें थॉमस के अलावा कनचाको बोबन, आसिफ अली और अपर्णा बालमुरली जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म केरल में 2018 में आई बाढ़ पर आधारित है।

हद से ज्यादा बोल्ड हैं टीवी की संस्कारी बहू शिवांगी जोशी

टीवी की नायरा उर्फ शिवांगी जोशी ने ये रिश्ता क्या कहलाता है में अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों के दिलों पर राज किया है। वहीं, इन दिनों एक्ट्रेस अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स से सोशल मीडिया का तापमान बढ़ाने में लगी हुई हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ खूबसूरत तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की है। इन फोटोज में एक्ट्रेस की हुस्न की बेबाकी थमनें का नाम नहीं ले रही हैं। छोटे पर्दे से करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस शिवांगी जोशी आज टीवी की जानी-मानी स्टार बन चुकी हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो वो अक्सर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरने लग जाती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट हॉटनेस भरे अंदाज में फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में शिवांगी जोशी ने ग्रीन कलर का थाई स्लिट ड्रेस पहना हुआ है। एक्ट्रेस की इन फोटोज को देखकर फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। दरअसल, शिवांगी जोशी की ये तस्वीरें अवॉर्ड फंक्शन की हैं। इस इवेंट के दौरान एक्ट्रेस के लुक पर फैंस की निगाहें टिकी की टिकी रह गई। कानों में इयररिंग्स, बालों को बांध कर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस शिवांगी जोशी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। शिवांगी जोशी अपनी इन फोटोज में प्यारी सी स्माइल देते हुए फैंस को अपना दीवाना बनाती नजर आ रही हैं। बताते चलें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

जरा हटके जरा बचके की टिकट खिड़की पर पकड़ मजबूत

विक्की कौशल और सारा अली खान की जरा हटके जरा बचके 2 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को समीक्षकों की ओर से कुछ खास प्रतिक्रियाएं नहीं मिली, लेकिन दर्शकों द्वारा जरा हटके जरा बचके को भरपूर प्यार मिल रहा है। वीकेंड पर फिल्म ने शानदार कारोबार किया था, लेकिन सोमवार से इसकी कमाई में गिरावट जारी है। रिपोर्ट के मुताबिक, जरा हटके जरा बचके ने रिलीज के 7वें दिन 3.24 करोड़ रुपये का कारोबार किया। अब जरा हटके जरा बचके का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 37.35 करोड़ रुपये हो गया है। इसमें विक्की और सारा के अलावा शारिब हाशमी, सुष्मिता बनर्जी, नीरज सूद और इनामुलहक भी अहम भूमिकाओं में हैं। लक्ष्मण उतेकर द्वारा निर्देशित जरा हटके जरा बचके लगभग 40 करोड़ रुपये की लागत में बनी है। फिल्म का निर्माण दिनेश विजान द्वारा किया गया है। जरा हटके जरा बचके में विक्की, कपिल की भूमिका में हैं, वहीं सारा, सौम्या का किरदार निभा रही हैं।

पटवारियों के हड़ताल पर प्रशासन सख्त

» काम पर नहीं लौटे तो हो सकती है गिरफ्तारी

रायपुर,11 जून 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में पटवारियों का हड़ताल पिछले 27 दिनों से जारी है। प्रदेश में पटवारियों के हड़ताल के कारण आम जनता को काफी परेशानी हो रही है। लोग सरकारी कार्यालयों के चक्कर काट रहे है लेकिन उनका काम अभी भी अधूरा अटका हुआ है। पटवारियों के हड़ताल में न तो सरकार की ओर से पहल की जा रही है ओर न ही पटवारी संघ झुकने के लिए तैयार है। वहीं सरकार को भी एस्मा लगाए भी चार दिन बीत चुके हैं और कलेक्टरों द्वारा दिया गया 24 घंटे का अल्टीमेटम भी खत्म हो गया है। ऐसे में सोमवार तक अगर पटवारी काम पर नहीं लौटते हैं, तो उनकी गिरफ्तारी हो सकती है।

रायपुर जिले सहित प्रदेशभर में अब पटवारियों के खिलाफ सख्ती शुरू हो गई है। राजधानी के माना-तूता में चल रहे इनके प्रदर्शन को कुचलने के लिए पंडाल हटाने की चेतावनी दी गई है और 24 घंटे के भीतर काम पर लौटने की हिदायत एक बार फिर एसडीएम द्वारा दिए गए हैं। जबकि दुर्ग जिले में तो एफआइआर करने भी जानकारी मिल रही है।

प्रशासन ने दिए निर्देश

साथ ही प्रवेश, भर्ती सहित युवाओं के कार्य को देखते हुए सामान्य प्रशासन ने आदेश जारी कर आय, जाति सहित आनलाइन रिकार्ड के लिए पटवारी प्रतिवेदन पर निर्भर नहीं रहने के निर्देश दिए हैं, ताकि लोगों को किसी प्रकार की परेशानियां न हों।

हड़ताली पटवारियों की ये है मांग

पटवारियों ने राज्य सरकार से कई मांगे की हैं। मांगों में वरिष्ठता निवास की उनमें वेतन विसंगति दूर के आधार पर पदोन्नति, विभागीय नियमित परीक्षा, संसाधन, स्टेशनरी भत्ता, अतिरिक्त प्रभार के हल्के का भत्ता बढ़ाएं, पटवारी भर्ती के लिए योग्यता स्नातक, मुख्यालय बाध्यता खत्म, और बिना विभागीय जांच की एफआईआर दर्ज ना हो आदि शामिल हैं। हड़ताल के कारण तहसील के राजस्व प्रकरणों के नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, व्यपवर्तन, किसान किताब, जाति प्रमाणपत्र, आय प्रमाणपत्र, निवास प्रमाणपत्र एवं अन्य राजस्व से संबंधित प्रकरणों का निराकरण नहीं हो पा रहा है।

अनियमित कर्मचारियों के प्रदर्शन पर मोहन मरकाम का बड़ा बयान

रायपुर,11 जून 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में अनियमित कर्मचारियों के प्रदर्शन पर छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहन मरकाम का बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि अनियमित कर्मचारियों के लिए लगातार सरकार विचार कर रही है। पूरा डाटा हर विभागों से मंगाया गया है। अनियमित कर्मचारियों को लेकर सरकार गंभीर है।

उन्होंने आगे कहा कि चुनाव से पहले अनियमित कर्मचारियों के लिए कोई ना कोई निर्णय ले लिया जाएगा। कांग्रेस के संभागीय सम्मेलन को लेकर पीसीसी चीफ मोहन मरकाम ने कहा कि सम्मेलन के माध्यम से कार्यकर्ताओं के बीच जा रहे हैं। कार्ययोजना बना रहे हैं, कार्यकर्ताओं को रिचार्ज किया जा रहा है, कार्यकर्ताओं से फीड बैक भी ले रहे है। 2023 में दमदारी से जनता के बीच जाएंगे। भाजपा प्रदेश प्रभारी ओम माथुर के दौरे को लेकर पीसीसी चीफ ने कहा कि ओम माथुर भाजपा के प्रदेश प्रभारी हैं। वह अपनी ड्यूटी कर रहे हैं। कार्यकर्ता और जनता का क्या रिस्पॉन्स मिलेगा यह आने वाले समय बताएगा।

बिलासपुर नगर को हवाई सेवा से जोड़ने भूपेश ने विमानन मंत्री को लिखा पत्र

» लोगों के साथ बताई क्षेत्र की जरूरत

रायपुर ,11 जून 2023(ए)। बिलासपुर नगर को उड़ान -5 योजना में जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नागर विमानन मंत्री भारत सरकार ज्योतिरादित्य सिंधिया को पत्र लिखा है । उन्होंने इस दिशा में शीघ्र कार्रवाई करने का अनुरोध किया है, जिससे अंचल के लोगों को देश के अन्य भागों में आने-जाने की सुविधा के साथ क्षेत्र के आर्थिक विकास में सहायता मिल सके ।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पत्र में लिखा कि यह जानकारी प्राप्त हुई है कि केन्द्रीय विमानन मंत्रालय ने बिलासपुर नगर को उड़ान -5 योजना में शामिल नहीं किया है । इस निर्णय से बिलासपुर अंचल के लोगों में निराशा एवं रोष व्याप्त है । बिलासपुर राज्य का दूसरा महत्वपूर्ण नगर है । राज्य का उच्च न्यायालय बिलासपुर में स्थित होने के कारण भी यहां नियमित हवाई सेवा की सुविधा उपलब्ध कराया जाना अत्यंत आवश्यक है ।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि डीजीसीए तथा केन्द्रीय विमानन मंत्रालय के परामर्श से बिलासपुर एयरपोर्ट में नियमित हवाई सेवा आरंभ करने के उद्देश्य से टर्मिनल भवन, रनवे विस्तार, सुरक्षा उपकरणों की व्यवस्था इत्यादि व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने राज्य के बजट से 45 करोड़ रुपए व्यय किए जा चुके हैं ।

राज्य सरकार के अथक प्रयासों से बिलासपुर को देश के एयर लिंक से जोड़ा गया । जबलपुर, नई दिल्ली, प्रयागराज, इन्दौर के लिए हवाई सेवाएं प्रारम्भ की गई थी । बिलासपुर आने एवं जाने वाले सभी विमानों में यात्रियों की संख्या उत्साहवर्धक थी, किन्तु अज्ञात कारणों से बाद में इन्दौर की विमान सेवा बन्द कर दी गई ।

बेखौफ हुए बदमाश

» दिनदहाड़े अपार्टमेंट के बाहर चलाई गोली

रायपुर ,11 जून 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में बदमाशों के हौसले दिन ब दिन बुलंद होते जा रहे है। रायपुर के पंडरी स्थित करिज्मा अपार्टमेंट में बदमाशों ने दिनदहाड़े फ्लैट नंबर 502 के बाहर फायरिंग कर दी। जिनके घर के सामने फायरिंग की गई है उनका नाम विजय शेखर पांडे है। उन्होंने पंडरी ठाणे में शिकायत दर्ज की है। जिसके बाद पुलिस जांच में जुट गई है। इस घटना के बाद से अपार्टमेंट के लोगों में दहशत का माहौल है।

राजधानी रायपुर में बदमाश बेखौफ होकर दिनदहाड़े ही वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। इस बार मामला रायपुर के पंडरी थाना इलाके से है, जहां बेखौफ बदमाशों ने करिज्मा अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 502 के बाहर फायरिंग कर दी। जिसके बाद विजय शेखर पांडे ने पंडरी थाना में इसकी शिकायत की। उन्होंने बताया कि हमारे घर पर बाहर से किसी ने गोली चलाई है। इस फायरिंग में खिड़की का कांच टूट गया। इसके बाद पंडरी थाना की पुलिस और एफएसएल के आलाधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है। इधर, इस घटना के बाद से अपार्टमेंट के लोगों में दहशत का माहौल है। लोगों ने फायरिंग करने वाले बदमाशों को जल्द पकड़ने की मांग की है। पुलिस अपार्टमेंट परिसर में लगे सीसीटीवी को खंगाल रही है, जिससे फायरिंग करने वालों का पता चल सके। फिलहाल पुलिस घर के मालिक विजय शेखर पांडे से भी इस घटना को लेकर पूछताछ कर रही है।

छत्तीसगढ़ में ओडिशा जैसा बड़ा रेल हादसा टला

» एक ही पटरी पर आमने-सामने आई मेमू ट्रेन और मालगाड़ी

रायपुर,11 जून 2023 (ए)। ओडिशा के बाद छत्तीसगढ़ में बड़ा ट्रेन हादसा होते-होते टल गया। यहां एक ही रेलवे ट्रैक पर यात्री गाड़ी और मालगाड़ी आ गई थी। हालांकि, दोनों ट्रेनों के बीच फासले के कारण ट्रेनों को तुरंत रोक दिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जोन के अंतर्गत एक ही रेलवे ट्रैक पर यात्री ट्रेन और मालगाड़ी आ गई थी। बिलासपुर जिले के जयरामनगर और जांजगीर-चांपा जिले के कोटमीसोनर के बीच मेमू ट्रेन और मालगाड़ी एक ही पटरी पर आ गई थी। मेमू लोकल ट्रेन कोरबा आ रही थी। समय रहते इस मानवीय और तकनीकी गलती को सुधारा गया और दोनों गाड़ियों को रोका गया। गनीमत रही कि दोनों ट्रेनों के बीच 150 से 200 मीटर की दूरी रही, जिस कारण कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। जैसे ही यात्रियों को इस बारे में पता चला कई यात्री ट्रेन से उतरकर इस घटना का वीडियो बनाने लगे। वही, कुछ यात्री अपनी ट्रेन से उतरकर जब इस मंजर को देखा, तो वे ईश्वर को धन्यवाद देते रहे कि समय रहते एक बड़ा हादसा उन्होंने टाल दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

रोजगार का सुनहरा अवसर

» 129 से अधिक पदों पर होगी भर्ती,

» राजधानी में 13 जून को लगेगा प्लेसमेंट कैंप

रायपुर,11 जून 2023(ए)। छत्तीसगढ़ के बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर है। राजधानी रायपुर में 13 जून को प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इस प्लेसमेंट कैंप में 129 पदों से अधिक पदों पर भर्ती होगी। इसमें सैलरी 40 हजार रुपए तक दी जाएगी। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र के जरिए 13 जून को प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। यह जिला रोजगार कार्यालय पुराना पुलिस मुख्यालय में सुबह 11 बजे से दोपह 2 बजे तक आयोजित होगा। इस प्लेसमेंट कैम्प का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना है।

जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र के उपसंचालक ने बताया कि, इस कैंप के माध्यम से इत्यादि संस्थानों की ओर से भर्ती की जाएगी। कैंप में 12वीं, स्नातक, आईटीआई, डिप्लोमा, इंजीनियरिंग शैक्षणिक योग्यता वाले अभ्यर्थियों की भर्ती होगी। विभिन्न संस्थाओं में भर्ती किए जाने वाले पदों में इंजीनियर, क्लस्टर हेड, सेल्स मैनेजन, टेक्नीशियन, ड्राइवर, डिलीवरी बाय, अकाउंटेंट, रिशेप्सनीस्ट, ऑपरेशन हेड, डिजिटल मैनेजर, टेलीकालर, हिन्दी टायपिस्ट, विडियो एडिटर इत्यादि 129 पद शामिल है। इन पदों पर अनुभव न्यूनतम 1 वर्ष से 20 वर्ष तक होगी, जिनका वेतन अधिकतम 45 हजार रुपए होगी।

सीएम बोले-नक्सलवाद बीजेपी की देन

कांग्रेस का मिशन 2023 :रायपुर में कांग्रेस का चौथा संभागीय सम्मेलन

रायपुर,11 जून 2023 (ए) ।छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव को 5 महीने रह गए है। जिसके बाद दूसरा और तीसरा सम्मेलन दुर्ग -बिलासपुर में आयोजित की गई । वहीं आज चौथा सम्मेलन रायपुर में आयोजित की गई। राजधानी के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में संभागीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। जहां

ऐसे में सभी राजनेतिक पार्टियां अपने तैयारियों में लगे हुए है। इसी कड़ी में कांग्रेस पार्टी प्रदेश के हर संभाग में संभागीय सम्मलेन का आयोजित कर रही है। कांग्रेस ने बस्तर से इस सम्मेलन की शुरुआत की थी। प्रभारी कुमारी सैलजा, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत, प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम समेत रायपुर संभाग के 20 विधानसभा क्षेत्रों के कांग्रेस पदाधिकारी मौजूद रहे।

बता दें कि सम्मेलन में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि कई लोगों को इस सरकार में अवसर नहीं मिला, जो संगठन में काम कर रहे हैं, उन्हें अगली सरकार में अवसर मिलेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बूथ पर ज्यादा फोकस करने पर जोर दिया। सीएम ने कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देते हुए कहा कि भाजपा के झूठ से डटकर मुकाबला करना है।

उन्होंने कहा कि रमन सिंह सरकार की नाकामी को बताना है और हमारी अपनी सरकार के कामकाज को बताना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा वाले गोडसे की बात करते हैं, लेकिन मैं विधानसभा तक में बोल चुका हूं गोडसे मुर्दाबाद कहिए तो ये नहीं कहते, गोडसे भारत मां के सपूत हैं ये बात आपको-हमको खराब लग सकती है, लेकिन उनके लिए आदर्श है। सीएम ने कहा कि जब ये गोडसे को सपूत कह रहे तो गांधी जी को क्या कहेंगे। आतंकवाद, नक्सलवाद और धर्मांतरण भाजपा की देन है, ये लोग उनके समर्थक हैं।

कांग्रेस नेता की शिकायत लेकर थाना पहुंचे भाजपाई

» कहा- रमन सिंह की छवि को हो रहा नुकसान

रायपुर,11 जून 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में चुनावी साल में भाजपा और कांग्रेस के खेमे में तनातनी खुलकर सामने आ रही है। सोशल मीडिया पर भी दोनों ही दल आपस में आरोप-प्रत्यारोप करते नजर आते हैं। ऐसे ही एक पोस्ट के खिलाफ राजधानी के बीजेपी कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता इदरीश गांधी के खिलाफ शिकायत की है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने उर्दू अकादमी के अध्यक्ष इदरीश के खिलाफ स्नहृक्र दर्ज करने और उन्हें गिरफ्तार करने की मांग की है। बता दें कि यह पूरा विवाद एक सोशल मीडिया पोस्ट की वजह से खड़ा हुआ है।

इदरीश गांधी ने एक ट्वीट किया, जिसमें डॉ. रमन सिंह को किडनी चुराने वाला बताया गया। इस पोस्ट को बीजेपी के लोगों ने निराधार और आपत्तिजनक बताते हुए सिविल लाइन थाना पहुंचे और इस मामले का शिकायती आवेदन दिया। भाजपा नेताओं ने अपनी शिकायत में कहा है कि, डॉ. रमन सिंह और उनके परिवार की छवि खराब करने इदरीश गांधी द्वारा ट्विटर हैंडल से पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह और उनके पुत्र और परिवार को लेकर अक्सर गलत और झूठे आधारों पर ट्वीट किया जाता है, और तस्वीर पोस्ट की जाती है।

एचडीएफसी बैंक में लगी भीषण आग

» अहम दस्तावेज समेत कई सामान जलकर खाक, लाखों का नुकसान

रायपुर /दुर्ग ,11 जून 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में स्थित पाटन के एचडीएफसी बैंक में रविवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई। इससे बैंक के अहम दस्तावेज, एसी और फर्नीचर जलकर खाक हो गए। गनीमत यह रही कि आग से कैश सुरक्षित रहा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की दो गाड़िया मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। कुछ ही देर बाद आग पर काबू पा लिया गया।

दरअसल, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं जिला दुर्ग को आज सुबह 8.37 बजे सूचना मिली थी कि पाटन स्थित एचडीएफसी बैंक में आग लग गई है। सूचना मिलते ही

अग्निशमन और आपदा प्रबंधन की टीम को रवाना किया गया। टीम ने वहां पहुंचकर देखा कि आग काफी अधिक फैल चुकी है। अग्निशमन कर्मियों ने बैंक पर लगी आग को 2 गाड़ी पानी की मदद से कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि, यदि थोड़ा और देर हो जाती तो आग कैश काउंटर तक फैल जाती और उसमें लाखों रुपए का नुकसान हो जाता। आग लगने के कारण का पता नहीं चल पाया है। हालांकि आशंका जताई जा रही है कि आग शार्ट सर्किट से ही लगी है।

वहीं, बैंक मैनेजर सचिन ने बताया कि, सुबह वो अपने घर पर सोये हुए थे। इसी दौरान गार्ड का फोन आया कि बैंक के अंदर आग लगी है और धुंआ निकल रहा था। मैंनेजर ने गार्ड को तुरंत फायर ब्रिगेड को फोन करने के लिए बोला और अमलेश्वर से पाटन के लिए निकल गया। जब तक वो बैंक पहुंचा फायर ब्रिगेड पहुंच चुकी थी और आग पर काबू पा लिया गया था। सचिन ने बताया कि आगे से बैंक में लगी तीन बड़ी और दो छोटे एसी, प्रिंटर, पासबुक प्रिटर मशीन, 6 चेयर, कस्टमर एग्जक्यूटिव डेस्क और फॉल सीलिंग जल गई है। इससे बैंक को करीब 8-10 लाख रुपए का नुकसान हुआ है

गृहमंत्री ननकी राम कंवर ने किया राजनीति से सन्यास लेने का ऐलान

रायपुर ,11 जून 2023(ए)। इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव और अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सियासी पारा हाई है। वहीं, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के बस्तर दौरे के बाद से भाजपा-कांग्रेस दोनों दलों के नेता खुद को आदिवासियों का हितैषी बताने में लगे हैं। सियासी बयानबाजी के बीच पूर्व गृहमंत्री ननकी राम कंवर ने बड़ा ऐलान कर दिया है।

पूर्व गृहमंत्री ननकी राम कंवर ने मीडिया के सामने ऐलान करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में अगर भाजपा की सरकार नहीं बनी तो राजनीति से सन्यास ले लूंगा। बता दें ननकी राम कंवर इन दिनों तीन दिवसीय जशपुर दौरे पर हैं। जशपुर प्रवास के दौरान पूर्व मंत्री कंवर लगातार कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन को मजबूत करने में लगे हुए हैं।

जी-20 कॉन्क्लेव श्रम संबंधी मुद्दों के लिए मील का पत्थर साबित होगाः राज्यपाल हरिचंदन

रायपुर,11 जून 2023 (ए)। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन आज बिलासपुर में आयोजित जी-20 लेबर 20 कॉन्क्लेव में मुख्य अतिथि के रूप में वर्चुअल तरीके से शामिल हुए। यह कार्यक्रम भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) के सहयोग से नेशनल फ्रंट ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन (एनएफआईटीयू) द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष महंत रामसुंदर दास, छत्तीसगढ़ राज्य भवन एवं अन्य सन्निर्माण मंडल के अध्यक्ष श्री सन्नी अग्रवाल उपस्थित थे।

राज्यपाल हरिचंदन ने कहा कि यह पूरे भारतवासियों के लिए अत्यंत गर्व की बात है कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत ने इस वर्ष जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की है। जिसका थीम ''एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य'' रखा गया है। यह ''वसुधैव कुटुम्बकम'' की अवधारणा पर आधारित है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए यह बहुत खुशी की

बात है कि वैश्विक चिंता के श्रमिक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए यहां प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों, उद्योगों, सरकारी संगठनों, ट्रेड यूनियन संगठनों, एनजीओ और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल हुई है। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में विचार विमर्श के बाद आये सुझाव, अंतिम जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए सार्थक सिद्ध होंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह जी-20 कॉन्क्लेव वैश्विक चिंता के श्रम संबंधी मुद्दों के लिए मील का पत्थर साबित होगा और इससे हमारे श्रम बल को लाभ होगा।

राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य को ''चावल का कटोरा'' के रूप में जाना जाता है, भारत के खनिज समृद्ध राज्यों में से एक है, जिसमें प्रचुर मात्रा में वन संसाधन, पर्याप्त श्रम शक्ति और अच्छी जलवायु है। आज बेरोजगारी, सामाजिक सुरक्षा और सामाजिक न्याय की समस्या हम सबके लिए चिंता का विषय है। बेरोजगारी हमारे समाज के विभिन्न सामाजिक मुद्दों का मूल कारण है। उन्होंने इस आयोजन की सफलता के लिए एनएफआईटीयू के पदाधिकारियों को बधाई दी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)